www.Epaper.tnnews24.in

Good Aftarnoon India

टीएन न्यूज 24

Regd.No. UP-O1-0122316

आवाज जुर्म के खिलाफ



वर्ष: 02 अंक : 191 | आगरा। गुरूवार 12 नवम्बर 2026 | पृष्ठ: 8 डिजिटज ई-पेपर

राकांपा के गुटों का विलय!: राउत बोले- 22 विधायक छोड़ेंगे सुनेत्रा का साथ, उपमुख्यमंत्री बोलीं- समय का इंतजार

मुंबई,ए.। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के विलय की चर्चाओं के बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बुधवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के 20 से 22 विधायक कभी भी पार्टी छोड़ सकते हैं। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा कि राकांपा के विधायक शरद पवार से सिर्फ सामान्य बातचीत के लिए मुलाकात नहीं कर रहे हैं, बल्कि इन बैठकों के पीछे कुछ और राजनीतिक वजहें भी हो सकती हैं।



शरद पवार की पार्टी में लौट सकते हैं विधायक

राउत ने दावा किया कि अजित पवार के गुट में जाने के बाद राकांपा विधायक खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुनेत्रा पवार की पार्टी के 20 से 22 विधायक कभी भी अलग हो सकते हैं। यदि वे शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में लौटते हैं तो इसे विलय नहीं कहा जाएगा। उन्होंने यह संभावना भी जताई कि कुछ विधायक चुनाव से पहले किसी दूसरी पार्टी का दामन थाम सकते हैं।

विलय पर भाजपा की सहमति को लेकर विवाद

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा था कि भाजपा से सलाह लिए बिना राकांपा का विलय नहीं हो सकता। इस पर संजय राउत ने कहा कि फडणवीस का यह बयान शरद पवार की पार्टी पर लागू नहीं होता।

सही समय आने पर सब पता चलेगा- सुनेत्रा पवार

दूसरी ओर, महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और राकांपा अध्यक्ष सुनेत्रा पवार ने बुधवार को दोनों गुटों के संभावित विलय पर सीधे जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर सब कुछ पता चल जाएगा। पिछले सप्ताह सुनेत्रा पवार की पार्टी के नेताओं प्रफुल्ल पटेल और पार्थ पवार की शरद पवार से मुलाकात के बाद विलय की अटकलें तेज हुई थीं। राकांपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने भी दावा किया था कि यदि अजित पवार जीवित होते तो दोनों गुटों का विलय फरवरी में ही हो गया होता।

अजित पवार के निधन के बाद बदले राजनीतिक समीकरण

गौरतलब है कि तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और राकांपा अध्यक्ष अजित पवार की 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद सुनेत्रा पवार ने राकांपा की कमान संभाली और महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री बनीं।

एससी-एसटी आरक्षण बढ़ाने की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट पहुंची, हाईकोर्ट के फैसले को सरकार ने दी चुनौती

नई दिल्ली,ए.। कर्नाटक में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में बढ़ोतरी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें एससी का आरक्षण 15 से बढ़ाकर 17 प्रतिशत और एसटी का आरक्षण 3 से बढ़ाकर 7 प्रतिशत करने के फैसले को रद्द कर दिया गया था। राज्य सरकार का कहना है कि वह आरक्षण में बढ़ोतरी के फैसले को बचाने के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखेगी। इसके साथ ही केंद्र सरकार से इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी करेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को जारी जानकारी के मुताबिक, सरकार ने विशेष अनुमति याचिका यानी एसएलपी सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है। सरकार ने बताया कि 27 अक्तूबर के सरकारी आदेश के तहत 28 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की मंजूरी दी गई थी। 15 अक्तूबर 2026 को राज्य मंत्रिमंडल ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने का निर्णय लिया था। सरकार के अनुसार, फैसला आने के 16 दिनों के भीतर अपील दाखिल कर दी गई। अब राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण बढ़ोतरी के पक्ष में अपना मामला रखेगी।



एससी-एसटी आरक्षण में कितनी बढ़ोतरी की गई थी?

कर्नाटक सरकार ने अनुसूचित जाति का आरक्षण 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया था। सरकार के मुताबिक, इस फैसले का उद्देश्य दोनों समुदायों को आरक्षण का अधिक लाभ देना था। लेकिन हाईकोर्ट ने इस बढ़ोतरी को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि आरक्षण बढ़ाने से पहले राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से सलाह लेना जरूरी था। कानून बनने के बाद भेजे गए पत्र इस जरूरी प्रक्रिया को पूरा नहीं करते।

नौवीं अनुसूची में शामिल कराने की मांग क्यों कर रही है सरकार?

राज्य सरकार का कहना है कि आरक्षण में बढ़ोतरी को कानूनी चुनौतियों से बचाने के लिए इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करना जरूरी है। कर्नाटक विधानसभा ने 18 दिसंबर 2025 को इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया था। सरकार के मुताबिक, नौवीं अनुसूची में शामिल होने से इस आरक्षण व्यवस्था को कानूनी चुनौती से सुरक्षा मिल सकती है। राज्य सरकार ने केंद्र से इसके लिए जरूरी संवैधानिक संशोधन करने की मांग की है।

पीएम मोदी का कर्नाटक और गुजरात दौरा: विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और मंदिर में करेंगे दर्शन

नई दिल्ली,ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 और 14 नवंबर को कर्नाटक और गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा के दौरान वे 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

कर्नाटक में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी 13 नवंबर को कर्नाटक में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। बंगलूरू में वे लगभग 15,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जिनका उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं में शहरी गतिशीलता, बिजली पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम अवसंरचना, अपशिष्ट प्रबंधन और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।



रेलवे की सौगात: छठ पर्व पर यात्रियों को मिलेगी राहत, दिल्ली से दो दिन में चलेंगी 60 विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली,ए.। छठ पर्व के चलते अपने घर जाने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों का इंतजाम किया है। इन ट्रेनों से खासकर बिहार और पूर्वी भारत की ओर जाने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे के अनुसार, 11 नवंबर 2026 को दिल्ली क्षेत्र से 31 और 12 नवंबर को 29 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनका संचालन दिल्ली के अलग-अलग प्रमुख स्टेशनों से होगा।

आज कहां से चलेंगी कितनी ट्रेनें?

11 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से रवाना होने वाली 31 विशेष ट्रेनों का स्टेशनवार विवरण इस प्रकार है-

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन - 10 ट्रेनें
आनंद विहार टर्मिनल - 8 ट्रेनें
शकूरबस्ती -7 ट्रेनें



हजरत निजामुद्दीन - 4 ट्रेनें
दिल्ली जंक्शन -1 ट्रेन
रोहतक - 1 ट्रेन

12 नवंबर को 29 विशेष ट्रेनों का संचालन

कल यानी 12 नवंबर को भी यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनका स्टेशनवार ब्योरा इस प्रकार है-

नई दिल्ली - 7 ट्रेनें
आनंद विहार टर्मिनल - 7 ट्रेनें
शकूरबस्ती -5 ट्रेनें
हजरत निजामुद्दीन -5 ट्रेनें
दिल्ली जंक्शन - 3 ट्रेनें
रोहतक - 1 ट्रेन
दिल्ली सराय रोहिल्ला -1 ट्रेन
भीड़ बढ़ने पर अतिरिक्त ट्रेनें भी चलेंगी

उत्तर रेलवे के अधिकारी प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या पर लगातार नजर रख रहे हैं। रेलवे के मुताबिक, 10 नवंबर को पहले से निर्धारित 27 विशेष ट्रेनों के अलावा यात्रियों की भीड़ को देखते हुए कम समय के नोटिस पर 3 अतिरिक्त अनारक्षित ट्रेनें भी चलाई गई थीं।

राष्ट्र-विरोधी तत्वों से रहें दूर : श्री श्री रवि शंकर ने जेन-जी से की खास अपील, शिकायतों पर क्या कहा?

अहमदाबाद,ए.। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर ने बुधवार को कहा कि 'जेनरेशन जेड' (जेन-जी) के युवाओं को उन मुद्दों पर अपनी राय जरूर रखनी चाहिए, जो उन्हें प्रभावित करते हैं, लेकिन उन्हें समाज-विरोधी और राष्ट्र-विरोधी तत्वों से दूर रहना चाहिए। धैर्य और संयम रखने की जरूरत पर जोर देते हुए रवि शंकर ने युवाओं से कहा कि वे ऐसे लोगों को अपनी सोच पर हावी न होने दें, जिनकी मानसिकता गैर-जिम्मेदाराना है। इसके बजाय, ऐसे लोगों को सही सलाह दी जानी चाहिए और उन्हें अलग-अलग दृष्टिकोणों को समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के संस्थापक ने यह बात गुजरात के आनंद जिले में अंकालावाड़ी गांव के पास स्थित वसद आश्रम के दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कही।



आंदोलनों में राष्ट्र-विरोधी तत्वों से रहें दूर

जब उनसे 'जेनरेशन जेड' (1997 से 2012 के बीच जन्मे लोग) के लिए कोई संदेश देने को कहा गया, खासकर चल रहे आंदोलनों और विरोध-प्रदर्शनों के संदर्भ में, तो उन्होंने कहा, 'आपको जिन भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उनके खिलाफ अपनी आवाज जरूर उठानी चाहिए। यह बिल्कुल सही है। हालांकि, खुद को समाज-विरोधी तत्वों के साथ न जोड़ें। ऐसे आंदोलनों में राष्ट्र-विरोधी तत्व घुस आते हैं, इसलिए उनसे दूर रहें।'

युवाओं में बढ़ती आक्रामकता और अवसाद पर जताई चिंता

उन्होंने कहा कि आज के युवा अक्सर दो तरह की अतिवादी स्थितियों की ओर चले जाते हैं। या तो वे छोटी-छोटी बातों पर आक्रामक हो जाते हैं या फिर अवसाद में चले जाते हैं। रवि शंकर ने अवसाद के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और इसे भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए ध्यान, योग, निस्वार्थ सेवा और आध्यात्मिकता को अपनाने की सलाह दी।

प्राकृतिक आपदाओं और वैश्विक संघर्षों पर भी की टिप्पणी

इस साल भारत के सामने आई चुनौतियों, खासकर देश के कुछ हिस्सों में सूखे और अत्यधिक बारिश तथा दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्षों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भारत इन कठिन परिस्थितियों से काफी हद तक बेहतर तरीके से निपटने में सफल रहा है।

उन्होंने कहा, %इस साल देश को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। कहीं सूखा पड़ा है, तो कहीं बहुत ज्यादा बारिश हुई है।

भाजपा ने 403 विधानसभा सीटों पर नियुक्त किए प्रभारी

आजमगढ़ सदर सीट पर हनुमंत सिंह को मिली जिम्मेदारी

लखनऊ,ए.। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। बुधवार शाम सभी छह संगठनात्मक प्रांतों के अध्यक्षों ने बारी-बारी से सूची जारी की। मुरादाबाद की बिलारी सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे सुरेश सैनी को अमरोहा विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। सुरेश सैनी इससे पहले 2012 में मुरादाबाद देहात और 2016 के उपचुनाव के साथ 2017 के विधानसभा चुनाव में बिलारी सीट से मैदान में उतर चुके हैं। हालांकि, तीनों ही चुनाव में उन्हें सपा प्रत्याशी से हार का सामना करना पड़ा था। इसी तरह मेरठ की सिवालखास सीट से टिकट की दावेदारी कर रहीं मीनाक्षी भराला को गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। यानी पार्टी ने टिकट के दावेदार नेताओं को उनके अपने चुनाव क्षेत्र से अलग दूसरी सीटों पर संगठन की जिम्मेदारी दी है।



विवेकानंद वर्मा फिर प्रभारी

गोरखपुर सदर विधानसभा सीट पर विवेकानंद वर्मा को दोबारा प्रभारी बनाया गया है। इसी सीट से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव जीता था। पार्टी ने गोरखपुर क्षेत्र में कुल 62 विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति की है।

छह प्रांतों में इस तरह बांटी गई जिम्मेदारी

भाजपा ने संगठनात्मक प्रांतों के हिसाब से सभी 403 विधानसभा सीटों पर प्रभारियों की तैनाती की है। इनमें अवध क्षेत्र में 82, काशी क्षेत्र में 71, कानपुर-बुंदेलखंड में 52, पश्चिमी यूपी में 71, गोरखपुर क्षेत्र में 62 और ब्रज क्षेत्र में 65 प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

राहुल गांधी ने मजदूरों और कारीगरों के साथ मनाया त्योहार, इंदिरा भवन में किस-किस को बुलाया गया?

नई दिल्ली,ए.। भाई दूज के मौके पर राहुल गांधी ने दिल्ली के इंदिरा भवन में देशभर के मजदूरों, कारीगरों, किसानों, कुलियों और छोटे व्यापारियों को परिवार सहित बुलाया। उन्होंने उनके साथ त्योहार मनाया और उनकी बातें सुनीं। कार्यक्रम का उद्देश्य मेहनतकश लोगों के योगदान का सम्मान करना था। आखिर राहुल गांधी ने किन लोगों को इस आयोजन में शामिल किया और भाई दूज के लिए यही वर्ग क्यों चुना गया? कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाई दूज के मौके पर दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में देशभर के मजदूरों, कारीगरों और मेहनतकश लोगों के साथ त्योहार मनाया। बुधवार दोपहर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अलग-अलग पेशों से जुड़े लोगों को उनके परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन के जरिए राहुल गांधी ने उन लोगों के साथ समय बिताया, जो रोजमर्रा की मेहनत से समाज और देश को आगे बढ़ाने में योगदान देते हैं। राहुल गांधी ने जिन लोगों को इस कार्यक्रम में बुलाया, उनमें वे लोग शामिल थे जिनसे वह पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग पेशों, समुदायों और सामाजिक मुद्दों पर बातचीत के दौरान मिल चुके हैं। ये लोग देश के अलग-अलग हिस्सों से दिल्ली पहुंचे थे। इंदिरा भवन में सभी ने एक साथ बैठकर भाई दूज मनाई। इस दौरान राहुल गांधी ने उनसे मुलाकात की और उनकी बातें तथा अनुभव सुने। कार्यक्रम का मकसद मेहनतकश और हुनरमंद लोगों के योगदान का सम्मान करना और उनके साथ संवाद को आगे बढ़ाना था।



स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश के लिए बना उदाहरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बुधनी, देपालपुर, देवास, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर और उज्जैन को मिला गौरव

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में मध्यप्रदेश के 9 शहरों को मिला राष्ट्रीय सम्मान

भोपाल,ए.। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में प्रदेश के सर्वाधिक 9 शहरों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर नई दिल्ली में आयोजित अभिनंदन समारोह में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रदेश के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सफाई मित्रों और नागरिकों के सामूहिक परिश्रम का परिणाम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन प्रारंभ कर देश में स्वच्छता की नई चेतना जागृत की। पिछले 12 वर्षों में स्वच्छता के प्रति देशवासियों के व्यवहार और सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। मध्यप्रदेश स्वच्छता के क्षेत्र में देश के लिए उदाहरण बन चुका है। हमारे प्रयासों, नवाचारों, इच्छाशक्ति और जनभागीदारी ने प्रदेश को स्वच्छता के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में देश के किसी भी अन्य राज्य की तुलना में मध्यप्रदेश के सर्वाधिक 9 शहरों को राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। इस वर्ष कुल 57 राष्ट्रीय पुरस्कारों में से 9 पुरस्कार प्रदेश को मिले हैं। यह उपलब्धि स्वच्छता के क्षेत्र में प्रदेश की निरंतर प्रगति और प्रभावी प्रयासों को दर्शाती है।

जनभागीदारी और सफाई मित्रों का योगदान महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छता का यह जन आंदोलन सफाई मित्रों के अथक परिश्रम के बिना संभव नहीं है। सर्दी, गर्मी और बरसात में निरंतर सेवाएं देने वाले सफाई मित्र स्वच्छता अभियान की मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से देश के सामने स्वच्छता का अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है।



स्वच्छता से बढ़ेंगे निवेश, पर्यटन और रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छ शहर ही निवेश, पर्यटन, उद्योग और रोजगार के बेहतर अवसरों के केंद्र बनते हैं। स्वच्छ वातावरण से नागरिकों के स्वास्थ्य में सुधार होता है और शहरों की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलती है। सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन सहित प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, सार्वजनिक शौचालय, यातायात और पर्यावरण संरक्षण की व्यवस्थाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने नगरीय निकायों में जीपीएस आधारित कचरा संग्रहण, आधुनिक कचरा प्रसंस्करण केंद्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कम्पोस्ट निर्माण, वेस्ट टू एनर्जी और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नगरीय निकायों से प्रत्येक वार्ड में नियमित सफाई, घर-घर कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव, जल स्रोतों और नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने तथा सफाई मित्रों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प मध्यप्रदेश के प्रत्येक नगर को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक नगरीय सुविधाओं का आदर्श बनाना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में स्वच्छ और स्वस्थ शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुरस्कार प्राप्त सभी नगरीय निकायों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान प्रदेश को स्वच्छता के क्षेत्र में और अधिक परिश्रम करने, बेहतर परिणाम देने तथा नए प्रतिमान स्थापित करने की प्रेरणा देगा।

विभिन्न श्रेणियों में मध्यप्रदेश के शहरों को मिला सम्मान

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में इंदौर को स्वच्छ शहर जोड़ी-मेंटर, देपालपुर को स्वच्छ शहर जोड़ी-मेंटी, जबलपुर को 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले वर्ग में स्वच्छ शहर रैंक-2, उज्जैन को 3 लाख से 10 लाख जनसंख्या वर्ग में स्वच्छ शहर रैंक-1, देवास को 50 हजार से 3 लाख जनसंख्या वर्ग में स्वच्छ शहर रैंक-1, सागर को इसी वर्ग में स्वच्छ शहर रैंक-3, बुधनी को 20 हजार से कम जनसंख्या वर्ग में स्वच्छ शहर रैंक-3, रीवा को स्वच्छ रिवर फ्रंट शहर रैंक-1 तथा ग्वालियर को स्वच्छ सिटी अवार्ड प्राप्त हुआ है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत प्रदेश के 9 नगरीय निकायों को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इनमें बुधनी, देपालपुर, देवास, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर और उज्जैन शामिल हैं। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में पुरस्कार प्रदान किए। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल और केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू समारोह में विशेष रूप से उपस्थित रहे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी और आयुक्त नगरीय कल्याण श्री संकेत भोंडवे ने राज्य सरकार की ओर से पुरस्कार ग्रहण किये।

पुष्पांजलि गार्डेनिया सोसाइटी में श्रद्धा और उल्लास के साथ हुई सामूहिक गोवर्धन पूजा

गोवर्धन पूजा के जरिए दिया प्रकृति संरक्षण और सामाजिक एकता का संदेश





रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो

अर्जुन रौतेला आगरा। सिकंदरा क्षेत्र स्थित पुष्पांजलि गार्डेनिया वेलफेयर सोसाइटी में गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ सामूहिक रूप से मनाया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित समस्त सदस्यों ने श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में स्थापित गोवर्धन महाराज की आचार्य के सानिध्य में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद सामूहिक परिक्रमा कर समस्त गार्डेनिया परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम में गोवर्धन पूजा के धार्मिक महत्व के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति, पर्यावरण और जीव-जंतुओं के संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देती है। पूजन के उपरांत अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया गया। सोसाइटी के सदस्यों ने सेवाभाव और आपसी सहयोग का परिचय देते हुए सामाजिक एकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर कहा गया कि सोसाइटी में विभिन्न जाति, धर्म और व्यवसाय से जुड़े परिवार निवास करते हैं, लेकिन सभी पर्वों को आपसी प्रेम, सम्मान और भाईचारे के साथ मिलकर मनाते हैं। पुष्पांजलि गार्डेनिया वेलफेयर सोसाइटी का यह आयोजन सामाजिक समरसता, धार्मिक सद्भाव और सामूहिक सहभागिता की मिसाल बना।

आगरा में भीषण सड़क हादसा, लाल किले की दीवार से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत, एक घायल

रामलीला मैदान के सामने दर्दनाक हादसा, 18 और 19 वर्षीय युवकों ने गंवाई जान, तीसरा अस्पताल में भर्ती

रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो

अर्जुन रौतेला आगरा। रकाबगंज थाना क्षेत्र में आगरा किले के पास रामलीला मैदान के गेट के सामने भीषण सड़क हादसा हो गया। बाइक सवार तीन युवक अनियंत्रित होकर लाल किले की दीवार से टकरा गए। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मृतकों की पहचान नैतिक पुत्र स्वर्गीय भोला (18 वर्ष), निवासी थाना सदर बाजार, आगरा तथा विशाल पुत्र स्वर्गीय मनोज चौहान (19 वर्ष), निवासी धर्मशाला वाली गली, थाना मंटोला, आगरा के रूप में हुई है।

वहीं घायल युवक की पहचान प्रेम पुत्र धर्म चौहान, निवासी थाना मंटोला के रूप में हुई है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि बाइक पर तीनों युवक सवार थे।



रामलीला मैदान के गेट के सामने बाइक लाल किले की दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। तीसरे युवक का उपचार जारी है।

कम उम्र में दो युवकों की मौत से उनके परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

दद्दाजी का संकल्प, हर-घर महादेव अमावस्या पर पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण से शिवमय हुआ अंबाह

दद्दा शिष्य परिवार ने कायम रखी गुरु की परंपरा, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ महारुद्राभिषेक; क्वारी नदी में किया शिवलिंगों का विसर्जन



अंबाह। मिट्टी से आकार लेते पार्थिव शिवलिंग, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गूंजते महामृत्युंजय मंत्र और हर-हर महादेव के जयघोष सौमवती अमावस्या पर पीएचई परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में कुछ ऐसा ही भक्तिमय दृश्य देखने को मिला। अवसर था ब्रह्मलीन संत पंडित देव प्रभाकर शास्त्री 'दद्दाजी' की प्रेरणा से दद्दा शिष्य परिवार अंबाह-बरेह एवं भक्त मंडल की ओर से आयोजित पार्थिव शिवलिंग निर्माण और महारुद्राभिषेक का। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान शिव की आराधना की और गुरु की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। अनुष्ठान के दौरान श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया। इसके बाद आचार्य गिरजाशंकर शास्त्री के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन-अर्चन और महारुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। पूजा के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का वातावरण बना रहा। अनुष्ठान के समापन पर सभी पार्थिव शिवलिंगों का विधिवत पूजन कर क्वारी नदी में विसर्जन किया गया। इस अवसर पर महावीर शर्मा, रमेश उपाध्याय, आचार्य गिरजाशंकर शास्त्री, रोहित, राहुल, दीपक, लवला, प्रदीप, अभय, पवन, अंकित, रवि, शैलू, शिवा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं महिला भक्त उपस्थित रहे।

मंदिरों से घर-घर तक शिवभक्ति पहुंचाने का संकल्प

दद्दा शिष्य परिवार से जुड़े महावीर स्वामी ने बताया कि ब्रह्मलीन संत पंडित देव प्रभाकर शास्त्री दद्दाजी का संपूर्ण जीवन भगवान शिव की आराधना, सेवा और आध्यात्मिक संस्कारों को समर्पित रहा।

उन्होंने हर-घर महादेव की भावना के माध्यम से शिवभक्ति को मंदिरों तक सीमित न रखते हुए प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने की प्रेरणा दी थी। उनके शिष्य और भक्त उसी विचार को आगे बढ़ा रहे हैं।उन्होंने कहा कि प्रत्येक अमावस्या पर पार्थिव शिवलिंग निर्माण और पूजन का आयोजन इसी आध्यात्मिक परंपरा की निरंतरता है। गृहस्थ संत डॉ. अनिल शास्त्री के मार्गदर्शन में हो रहे इन आयोजनों का उद्देश्य दद्दाजी की प्रेरणा, भारतीय संस्कृति और धार्मिक संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक परिवार शिवभक्ति से जुड़ सकें।

पूजा-अर्चना के साथ संस्कारों का संदेश

आचार्य गिरजाशंकर शास्त्री ने कहा कि अमावस्या पर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण और पूजन भगवान शिव की आराधना का महत्वपूर्ण माध्यम है। श्रद्धा और विधि-विधान से किए जाने वाले ऐसे धार्मिक अनुष्ठान व्यक्ति की आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने के साथ समाज को अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ते हैं। आयोजन में महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हर अमावस्या पर आगे बढ़ रही गुरु की परंपरा

दद्दाजी की प्रेरणा से शुरू हुई हर-घर महादेव की भावना को दद्दा शिष्य परिवार अंबाह-बरेह क्षेत्र में नियमित आयोजनों के माध्यम से जीवंत बनाए हुए है। प्रत्येक अमावस्या पर श्रद्धालु एकत्रित होकर पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण करते हैं और सामूहिक रूप से भगवान शिव का पूजन करते हैं। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा प्रकट करने, सामाजिक एकजुटता बढ़ाने और भारतीय संस्कृति के संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है।

पोरसा में 19 नवंबर को धूमधाम से होगा भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह, चार माह बाद फिर गूंजेंगी शहनाइयां

देवउठनी एकादशी के साथ मांगलिक विवाह आयोजनों की होगी शुरुआत, गिरिराज जी मंदिर परिसर में महंत रामकिशोर दास शास्त्री के सानिध्य में संपन्न होगा भव्य विवाह समारोह



पोरसा। धार्मिक नगरी पोरसा में भगवान शालिग्राम जी और माता तुलसी के पावन विवाह समारोह को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी 19 नवंबर को भगवान गोवर्धन गिरिराज जी महाराज के मंदिर परिसर में भगवान शालिग्राम जी एवं माता तुलसी का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ धूमधाम से संपन्न कराया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है।

विवाह समारोह महंत रामकिशोर दास शास्त्री के सानिध्य में आयोजित होगा। आयोजन की समस्त व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी गिरिराज जी भक्त मंडल एवं नागाजी परिक्रमा भक्त मंडल द्वारा संभाली जा रही है। समारोह में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। हिंदू धर्म में भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह अत्यंत पवित्र एवं पुण्यदायी परंपरा माना जाता है। भगवान शालिग्राम को भगवान श्रीहरि विष्णु का स्वरूप माना गया है, जबकि माता तुलसी को भगवान विष्णु की परम प्रिय माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता तुलसी का पूर्व जन्म वृंदा के रूप में हुआ था। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने वृंदा की भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें सदैव अपनी प्रिय रहने का वरदान दिया। इसी मान्यता के आधार पर तुलसी और शालिग्राम विवाह की परंपरा प्रचलित हुई। शालिग्राम प्राकृतिक रूप से प्राप्त पवित्र शिला हैं, जो मुख्य रूप से नेपाल की गंडकी नदी में पाई जाती हैं। वैष्णव परंपरा में इनकी पूजा भगवान विष्णु के साक्षात स्वरूप के रूप में की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी दल के बिना भगवान विष्णु की पूजा अधूरी मानी जाती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। इस दौरान विवाह सहित अनेक मांगलिक कार्यों पर परंपरागत रूप से विराम रहता है।

कार्तिक शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने के बाद तुलसी विवाह की परंपरा निभाई जाती है और इसके साथ ही विवाह जैसे मांगलिक कार्यों का शुभारंभ होता है। पोरसा में आयोजित होने वाला यह धार्मिक समारोह आस्था, परंपरा और भक्ति का विशेष संगम रहेगा। गिरिराज जी भक्त मंडल एवं नागाजी परिक्रमा भक्त मंडल के सदस्यों द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर पहुंचकर भगवान शालिग्राम जी और माता तुलसी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की गई है। तुलसी विवाह के साथ ही चार माह से थमी मांगलिक आयोजनों की रौनक लौटेगी और घर-घर में विवाह की तैयारियों के बीच शहनाइयां गूंजने लगेंगी।

कागजी विकास के खिलाफ मुरैना में हस्ताक्षर अभियान तेज, दूसरे दिन वार्ड 16, 13 और 17 में जुटे नागरिक

मुरैना विकास संघर्ष समिति ने सड़क, पानी, सफाई और सीवरेज सहित सरकारी योजनाओं की निष्पक्ष जांच की उठाई मांग, 13 नवंबर तक चलेगा अभियान

मुरैना। नगर निगम मुरैना की मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत सामने लाने के लिए मुरैना विकास संघर्ष समिति द्वारा चलाया जा रहा हस्ताक्षर अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। मंगलवार को जीवाजी गंज, नैनागढ़ रोड, नेहरू पार्क और गर्ल्स स्कूल रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर नागरिकों से सर्वे फार्म भरवाए गए और हस्ताक्षर कराए गए। समिति का आरोप है कि नगर निगम के दस्तावेजों में शहर का विकास दिखाई दे रहा है, लेकिन धरातल पर अनेक क्षेत्रों में टूटी सड़कें, जलभराव, गंदगी, बहता सीवर, पेयजल संकट और खराब स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याएं बनी हुई हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना, हॉकर्स जोन, चंबल वाटर प्रोजेक्ट, सीवरेज और कायाकल्प योजना के क्रियान्वयन पर भी सवाल उठाए गए हैं। अभियान के दौरान वार्ड क्रमांक 16, 13 और 17 में महिलाओं, बुजुर्गों, दुकानदारों और मजदूरों ने भागीदारी करते हुए हस्ताक्षर किए। समिति का कहना है कि यह अभियान किसी एक वार्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे नगर निगम क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने लाने का प्रयास है। मुरैना विकास संघर्ष समिति ने मांग की है कि सड़क, नाला-नाली, साफ-सफाई, पेयजल, प्रधानमंत्री आवास, हॉकर्स जोन, चंबल वाटर और सीवरेज प्रोजेक्ट सहित सभी योजनाओं की निष्पक्ष जांच एवं भौतिक सत्यापन कराया जाए। साथ ही योजनाओं में खर्च हुई राशि और कराए गए कार्यों का विवरण सार्वजनिक करने के लिए श्वेत पत्र जारी किया जाए।

जांच में दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई तथा जांच पूरी होने तक संबंधित योजनाओं के नए भुगतानों पर रोक लगाने की भी मांग की गई है। पूर्व पार्षद एवं समिति संयोजक दिलीप सिंह राठौर ने कहा कि अब केवल आवेदन देने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा, इसके लिए नगर की जनता को स्वयं आगे आना पड़ेगा। यह लड़ाई किसी एक वार्ड की नहीं, बल्कि पूरे मुरैना नगर निगम के स्वाभिमान और नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं दिलाने की है। कागजों में विकास दिखाने के बजाय धरातल पर हुए कार्यों का सत्यापन और उनका हिसाब देना होगा। उन्होंने बताया कि हस्ताक्षर अभियान 13 नवंबर तक जारी रहेगा। इसके बाद सर्वे रिपोर्ट और हस्ताक्षरयुक्त प्रपत्र उच्च अधिकारियों को सौंपे जाएंगे। यदि इसके बाद भी समस्याओं के निराकरण और जांच की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो समिति चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत कर कांग्रेस की सरकार बनाने का संकल्प, 14-15 नवंबर को मुरैना में होगा जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर

विधायक दिनेश गुर्जर के कार्यालय पर कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक संपन्न, प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिविर में होंगे शामिल



मुरैना। चंबल कॉलोनी स्थित मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर के कार्यालय पर ब्लॉक उत्तर अध्यक्ष आसिफ कुरैशी के नेतृत्व में मंडल अध्यक्षों एवं वार्ड अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक दिनेश गुर्जर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गजेन्द्र सिंधी, किसान कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह डंगस एवं ब्लॉक उत्तर अध्यक्ष आसिफ कुरैशी ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बैठक में आगामी चुनावों को देखते हुए कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर मजबूत टीम तैयार कर जन-जन तक कांग्रेस की विचारधारा और नीतियों को पहुंचाना होगा। इसके लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ काम करने का आह्वान किया गया। इस दौरान आगामी 14 एवं 15 नवंबर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की जानकारी दी गई। शिविर में ब्लॉक अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों एवं वार्ड अध्यक्षों को संगठनात्मक मजबूती, चुनावी रणनीति और बूथ प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, सह प्रभारी संजना जाटव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी तथा प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी सहित प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने और आगामी चुनावों में कांग्रेस की जीत के लिए पूरी ताकत से जुटने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधायक दिनेश गुर्जर ने सभी कार्यकर्ताओं को मिठाई वितरित कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई वे मरते दम तक लड़ते रहेंगे। बैठक में जिला उपाध्यक्ष शहर कांग्रेस रामस्वरूप कामर, जितेन्द्र गुर्जर, नरेश कारखुर, जिला महामंत्री युवा कांग्रेस रामू टुंडेलकर, मंडल अध्यक्ष विजय हर्षाना, शिव सिंह खटीक, दीपक सोलंकी, रवि रजक, रिजवान खान, रामप्रीत गुर्जर, कालू गुर्जर, हमीद खान, पार्षद कद्दू खान, परशुराम माहौर, दीपक माहौर, पार्षद बलवीर दोनेरिया, अनवर खान, दुर्गेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, मंडल अध्यक्ष एवं वार्ड प्रभारी उपस्थित रहे।

पोरसा में श्रद्धा और उल्लास के साथ मना अन्नकूट महोत्सव, मंदिरों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

पोरसा। नगर में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राम जानकी मंदिर छोटी जग्गा में महामंडलेश्वर महंत नारायण दास महाराज एवं महंत भरत दास महाराज के सानिध्य में भव्य अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। भक्तों ने भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और अन्नकूट महाप्रसादी ग्रहण की। इसी क्रम में नगर के गिरिराज जी मंदिर में भी महंत रामकिशोर दास शास्त्री के सानिध्य में अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया गया।

यहां भी सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर प्रसादी ग्रहण की तथा परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। दोनों मंदिरों में आयोजित धार्मिक आयोजनों के दौरान भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। प्रसादी वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं में भक्त मंडल के सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। अन्नकूट महोत्सव ने श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता के सूत्र में जोड़ने का संदेश दिया।

ब्रज योगा पार्क में दीपावली पर 17वें योग शिविर का हुआ भव्य शुभारंभ



रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो

अर्जुन रौतेला आगरा। ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित ब्रज योगा पार्क में दीपावली के शुभ अवसर पर योगा के 17वें विशेष शिविर का शुभारंभ बड़ी धूमधाम से किया गया। शिविर का शुभारंभ योगाचार्य श्री लोकेश गुप्ता ने सभी उपस्थित योगी भाई-बहिनों के साथ मिलकर किया। कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्ज्वलित किया गया, सभी को चंदन लगाया गया और मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉ. भोला विश्वास, श्याम किशोर शर्मा (विश्व हिंदू परिषद बृज प्रांत), अमित बंसल, राममोहन, ब्रजेश गोयल, प्रेम सिंह, राजेश राठौर, धर्मेंद्र, राजकुमार वर्मा, विनोद त्यागी, अंजू सिंह, मंजू यादव, लक्ष्मी गोयल, अर्चना अग्रवाल, विनीता, देविका, मंजू गुप्ता, शीला सहित बड़ी संख्या में योगी भाई-बहिन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दीपावली की शुभकामनाओं के साथ योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

शाहगंज में घर में घुसकर दो भाइयों से मारपीट का आरोप, जानलेवा हमले की शिकायत लेकर थाने पहुंचा पीड़ित परिवार

आजमपाड़ा में घर के अंदर घुसे 10 से अधिक हमलावर! दो भाइयों पर हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

अर्जुन रौतेला आगरा। थाना शाहगंज क्षेत्र के आजमपाड़ा में घर में घुसकर दो भाइयों के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित सनी उर्फ सद्दाम ने कई नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना शाहगंज में लिखित शिकायत देकर आरोपियों पर कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 9 नवंबर 2026 को शाम करीब 4ः30 से 5ः30 बजे के बीच अंसार, सोनू, अकबर, इस्मो, सद्दाम सहित लगभग 10 अज्ञात लोग कथित रूप से उसके घर में घुस आए। आरोप है कि हमलावरों ने सनी उर्फ सद्दाम और उसके भाई शाहरुख उस्मानी के साथ मारपीट की और जान से मारने का प्रयास किया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के दौरान घर में मौजूद कुछ महिलाओं ने ईंट-पत्थर फेंके और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। फिलहाल मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष और जांच के निष्कर्ष सामने आना बाकी है।



शाहगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध तमंचे और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

पृथ्वीनाथ फाटक के पास पुलिस ने दबोचा आरोपी, .315 बोर का तमंचा बरामद

रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो



अर्जुन रौतेला आगरा। कमिश्नरेट आगरा में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शाहगंज पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 8 नवंबर 2026 को पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मिली सूचना पर पुलिस ने रेलवे लाइन स्थित पृथ्वीनाथ फाटक के पास घेराबंदी कर राहुल को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी तमंचा और .315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल पुत्र ओमप्रकाश, निवासी ग्यासपुरा, थाना शाहगंज, आगरा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 527/26 के तहत धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र वशिष्ठ के नेतृत्व में चौकी पृथ्वीनाथ प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक सुखवेन्द्र सिंह और पुलिस टीम ने की। पुलिस का कहना है कि अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

दीपोत्सव पर अखिलेश यादव से डॉ. ममता शर्मा की मुलाकात, एत्मादपुर की सियासत में बढ़ी हलचल!

विधानसभा 86 में सपा की दावेदारी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म, क्या डॉ. ममता शर्मा के नाम पर लग सकती है अंतिम मुहर?

रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो



एत्मादपुर, आगरा। उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां लगातार तेज होती जा रही हैं। इसी बीच विधानसभा क्षेत्र 86 एत्मादपुर से समाजवादी पार्टी की भावी विधायक प्रत्याशी के रूप में चर्चित डॉ. ममता शर्मा की सपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से दीपोत्सव के पावन अवसर पर हुई मुलाकात ने क्षेत्र की राजनीतिक चर्चाओं को एक बार फिर हवा दे दी है।

दीपोत्सव के अवसर पर हुई इस मुलाकात को राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी अहम माना जा रहा है। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में बातचीत हुई। वहीं, इस मुलाकात के बाद एत्मादपुर विधानसभा की राजनीतिक परिस्थितियों, आगामी चुनावी रणनीति और पार्टी की तैयारियों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

सपा नेतृत्व से नजदीकी, दावेदारी को मिल सकती है मजबूती

डॉ. ममता शर्मा पिछले कुछ समय से विधानसभा 86 एत्मादपुर में अपनी राजनीतिक सक्रियता और जनसंपर्क अभियान को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। क्षेत्र में लगातार संपर्क, सामाजिक सहभागिता और राजनीतिक गतिविधियों के चलते उनकी दावेदारी को लेकर समर्थकों में उत्साह दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात को समर्थक एक सकारात्मक राजनीतिक संकेत के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक विधानसभा प्रत्याशी के नाम को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

क्या 86 एत्मादपुर में महिला नेतृत्व पर दांव लगाएगी सपा?

राजनीतिक जानकारों और स्थानीय सियासी चर्चाओं में यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या समाजवादी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में एत्मादपुर सीट से महिला नेतृत्व को मौका दे सकती है? कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि डॉ. ममता शर्मा की सक्रियता और पार्टी नेतृत्व से उनकी मुलाकात उनकी दावेदारी को मजबूती दे सकती है। वहीं, सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच भी इस बात को लेकर उत्सुकता बनी हुई है कि पार्टी नेतृत्व आखिर किस चेहरे पर भरोसा जताएगा।

अब निगाहें पार्टी नेतृत्व के अगले फैसले पर

एत्मादपुर विधानसभा में भाजपा और समाजवादी पार्टी सहित अन्य राजनीतिक दलों की संभावित चुनावी तैयारियों के बीच डॉ. ममता शर्मा की अखिलेश यादव से मुलाकात को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है।

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अखिलेश यादव वर्ष 2027 के चुनाव में विधानसभा 86 एत्मादपुर की कमान डॉ. ममता शर्मा को सौंपेंगे या फिर पार्टी किसी नए चेहरे को मैदान में उतारेगी? इसका जवाब तो पार्टी की आधिकारिक घोषणा के बाद ही मिलेगा, लेकिन इतना जरूर है कि दीपोत्सव के अवसर पर हुई इस मुलाकात ने एत्मादपुर की सियासत में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

शिवानी ग्रीन भूड़ का बाग़ कमला नगर में धूमधाम से मनाई गई

गोवर्धन पूजा, अन्नकूट प्रसाद का हुआ वितरण

रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो



आगरा। शिवानी ग्रीन में गोवर्धन पूजा का पर्व बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलोनी के सभी निवासियों ने एकजुट होकर विधि-विधान से भगवान गोवर्धन की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। गोवर्धन बनाने में दीक्षा मिश्रा और आराध्या गौतम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई पूजा के दौरान धार्मिक और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। सभी निवासियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर शिक्षा गौतम ने सपरिवार अन्नकूट प्रसाद की व्यवस्था की तथा श्रद्धालुओं एवं कॉलोनीवासियों को प्रसाद वितरित किया। कार्यक्रम में आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता की सुंदर झलक देखने को मिली। पूजा-अर्चना के बाद सभी ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

नगला रामबक्स में शर्मा : परिवार ने हर्षोल्लास के साथ मनाया

गोवर्धन पूजा पर्व, गौ माता के गोबर से बनाया गोवर्धन

रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो



आगरा। आज गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर अभितांशु नारायण के निवास पर परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर पारंपरिक तरीके से गोवर्धन पूजा की। परिवार की महिलाओं रोली शर्मा, प्रेमवती देवी, बीना देवी, राजरानी देवी, पायल शर्मा, गुनगुन शर्मा सहित पुरुष सदस्यों राहुल शर्मा, आशीष शर्मा, नितिन नारायण, महेंद्र शर्मा ने गाय के गोबर से भगवान श्री कृष्ण के स्वरूप में सुंदर गोवर्धन की आकृति बनाई। फूलों और रंगों से सजावट कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर अभितांशु नारायण ने बताया कि गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने का प्रतीक है। सभी ने गाँव की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। परिवार के सभी सदस मौजूद रहे

गोवर्धन पूजा पर 11 बाल नृत्यांगनाओं का सम्मान, प्रतिभाओं को मिला प्रोत्साहन

ब्रज एवं हिन्दी साहित्य मंच ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित, देवी के नौ रूपों की नृत्य नाटिका में किया था उत्कृष्ट प्रदर्शन



रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो

अर्जुन रौतेला आगरा। ब्रज एवं हिन्दी साहित्य, संगीत, संस्कृति एवं संस्कारों के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित संस्था ब्रज एवं हिन्दी साहित्य मंच की ओर से गोवर्धन पूजा के अवसर पर कृष्णा इंद्रप्रस्थ अपार्टमेंट्स, पश्चिमपुरी में 11 बाल कलाकारों को सम्मानित किया गया। इन बाल नृत्यांगनाओं ने विगत नवरात्रि महोत्सव में आयोजित 'देवी के नौ रूप' नृत्य नाटिका में शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों की सराहना प्राप्त की थी। गोवर्धन पूजा के रंगारंग कार्यक्रम में आरोही शर्मा, अनन्या यादव, सिया शर्मा, दृष्टि गोयल, अवनि अग्रवाल, हर्षिता सिंह, दीया अग्रवाल, श्रेया अग्रवाल, उत्कर्ष यादव एवं सिद्धार्थ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर ब्रज एवं हिन्दी साहित्य मंच के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. रामेन्द्र शर्मा 'रवि', कृष्णा इंद्रप्रस्थ अपार्टमेंट्स रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष मेजर ए.के. सिंह, सचिव मुकेश गुप्ता, सांस्कृतिक समिति के सुमित श्रीवास्तव सहित पिंकी जैन, वर्तना शुक्ला, निधि विकास, नीपा शाह, संध्या, रूपम राजौरिया, अनु शर्मा, डॉ. निखिल शर्मा और रुचि शर्मा सहित अनेक निवासी उपस्थित रहे। डॉ. रामेन्द्र शर्मा 'रवि' ने कहा कि मंच साहित्य, संगीत, संस्कृति एवं संस्कारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित करता है। साथ ही नवोदित प्रतिभाओं को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। अंत में गोवर्धन गिरधारी का पूजन, परिक्रमा और जयकारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गोवर्धन पूजा एवं नववर्ष आनंद मेले में उमड़ा उत्साह, वयोवृद्धों और प्रतिभाओं का हुआ भव्य सम्मान

गंगेगौरी बाग में भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता का संगम, भव्य भंडारे के साथ सजे सांस्कृतिक कार्यक्रम





रिपोर्ट- टी.एन.न्यूज 24 ब्यूरो

अर्जुन रौतेला आगरा। बल्केश्वर स्थित गंगेगौरी बाग में श्री गोवर्धन पूजा एवं नववर्ष आनंद मेला समिति की ओर से गोवर्धन पूजा एवं आनंद मेले का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम में धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित वयोवृद्ध सम्मान समारोह में क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को उनके अनुभव, सामाजिक योगदान और समाज के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। वहीं प्रतिभा सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व पार्षद ताराचंद मित्तल ने की। इस अवसर पर हरिओम गोयल, मुरारीलाल गोयल, पूजा बंसल, ब्रह्मानंद गुप्ता, बृजेश गुप्ता, आनंद गुप्ता, अरुण, अशोक जिंदल, पवन दिवाकर, जैन, राय चौधरी एवं शिवाखर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अधिवक्ता परिषद ब्रज, आगरा के महामंत्री पवन दिवाकर की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मेले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों एवं क्षेत्रीय प्रतिभाओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा परिसर भक्तिमय और उत्साहपूर्ण वातावरण में सराबोर नजर आया। आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की सहभागिता ने कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ा दिया। समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों, सम्मानितजनों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा एवं नववर्ष आनंद मेले जैसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ ही नई पीढ़ी में संस्कार, आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत करते हैं।

विशाल दलित सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विनय अग्रवाल के आवास पर हुई बैठक

दक्षिण विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान तेज करने का निर्णय, 15 नवंबर को जीआईसी मैदान में होगा सम्मेलन



अर्जुन रौतेला आगरा। आगामी 15 नवंबर को पचकुइयां स्थित जीआईसी मैदान में प्रस्तावित विशाल दलित सम्मेलन की तैयारियों को लेकर 10 नवंबर को आगरा दक्षिण विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी विनय अग्रवाल के आवास पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन की सफलता और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि दक्षिण विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्र में कार्यकर्ता घर-घर जाकर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से संपर्क करेंगे और उन्हें सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव होंगे, जबकि राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन सम्मेलन के संयोजक हैं। विनय अग्रवाल ने कहा कि यह सम्मेलन सामाजिक एकता, भाईचारे, सम्मान और सामाजिक न्याय की आवाज को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत के साथ जनसंपर्क अभियान में जुटने और सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में दक्षिण विधानसभा अध्यक्ष सतीश चाहर, सोमेश गुप्ता, राजकुमार वर्मा, अजय अग्रवाल, नीरज अग्रवाल एडवोकेट, मोहम्मद इरशाद, विनीत यादव, हुकुम सिंह जाटव, सोनू चौहान, गणेश बंसल, वीरेंद्र जाटव, जिनेश अग्रवाल, आकाश अग्रवाल और भानु प्रताप सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इंग्लैंड ए के खिलाफ सभी प्रारूप की सीरीज के लिए महिला ए टीम घोषित, किसे मिली कप्तानी?



नई दिल्ली,ए.। इंग्लैंड ए के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली सभी प्रारूपों की सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय महिला ए टीम घोषित कर दी है। सीमित ओवरों की सीरीज के लिए अनुष्का शर्मा को इंडिया ए का कप्तान बनाया गया है, जबकि एकमात्र बहुदिवसीय मुकाबले में मीनू मणि टीम की अगुआई करेंगी। इंडिया ए और इंग्लैंड की महिला टीम के बीच यह घरेलू सीरीज खेली जाएगी।

सीरीज का कार्यक्रम

दोनों टीमें सबसे पहले पुणे के एमसीए स्टेडियम में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी, जो 30 नवंबर, 3 दिसंबर और 6 दिसंबर को खेली जाएगी। इसके बाद बाकी के मुकाबलों के लिए दोनों टीमें मुंबई का रुख करेंगी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 8, 11 और 14 दिसंबर को तीन वनडे मैच खेले जाएंगे, जबकि इसी मैदान पर 19 दिसंबर से एकमात्र बहुदिवसीय मैच खेला जाएगा। सीमित ओवरों के साथ-साथ बहुदिवसीय स्क्वॉड में भारत की ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को भी शामिल किया गया है, जिन्हें दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था।

टीम में कौन-कौन शामिल?

इसके अलावा टीम में बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा भी शामिल हैं। बहुदिवसीय स्क्वॉड में शुभा सतीश को भी जगह मिली है, जिन्होंने 2023-24 सीजन में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार टेस्ट डेब्यू किया था और 2024-25 में चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी खेली थीं।

भारतीय महिला ए टी20 टीम- वृंदा दिनेश, तनिषा सिंह, सैनिका चालके, अनुष्का शर्मा (कप्तान), निकी प्रसाद, जी कमलिनि (विकेटकीपर), शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), मीनू मणि (उपकप्तान), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, वैष्णवी शर्मा, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर, मोनिका पटेल, काशवी गौतम। वनडे मैचों के लिए भारतीय महिला ए टीम- वृंदा दिनेश, तनिषा सिंह, प्रिया पूनिया, अनुष्का शर्मा (कप्तान), निकी प्रसाद, जी कमलिनि (विकेटकीपर), शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), मीनू मणि (उपकप्तान), तेजल हसबनीस, श्रेयंका पाटिल, अमीषा बहुखंडी, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, काशवी गौतम। बहुदिवसीय मुकाबले के लिए महिला ए टीम- मीनू मणि (कप्तान), शुभा सतीश, प्रिया पुनिया, तनिषा सिंह, पूर्वाजा वर्लेकर, हेनरीएट्टा परेरा, तेजल हसबनीस (उपकप्तान), शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), श्रेयंका पाटिल, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, अमीषा बहुखंडी, हैप्पी कुमारी, शबनम शकील।

आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप: ईशा, मनु और दिव्या की तिकड़ी ने दिलाया स्वर्ण पदक, पुरुष टीम ने जीता कांस्य



नई दिल्ली,ए.। आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। ईशा सिंह, मनु भाकर और दिव्या थाडिगोल सुब्बाराजू की तिकड़ी ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया। यह प्रतियोगिता में भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। वहीं, पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में भारतीय निशानेबाजों ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम ने जीता स्वर्ण

दोहा में आयोजित चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम ने शानदार निशानेबाजी करते हुए कुल 1761-68× का स्कोर हासिल किया और गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। रिपब्लिक ऑफ कोरिया की टीम 1748-66× के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसे सिल्वर मेडल मिला। वहीं, वियतनाम ने 1745-54× के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारतीय टीम की ओर से ईशा सिंह ने सर्वाधिक 590-25× का स्कोर बनाया। मनु भाकर ने 587-24× और दिव्या थाडिगोल सुब्बाराजू ने 584-19× का योगदान दिया। इस स्पर्धा में ईशा सिंह और मनु भाकर ने व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। हालांकि, दोनों खिलाड़ी व्यक्तिगत पदक जीतने से चूक गईं। मनु भाकर 27 हिट के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 11 हिट के साथ आठवें स्थान पर रहीं।

पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम को कांस्य

भारतीय पुरुष टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, अखिल श्योराण और नीरज कुमार की तिकड़ी ने कुल 1751-91× का स्कोर हासिल किया। इस स्पर्धा में चेक गणराज्य ने 1754-92× के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि नॉर्वे 1752-81× के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत की ओर से ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 587-33× का स्कोर किया। वहीं, नीरज कुमार ने 582-31× और अखिल श्योराण ने 582-27× का योगदान दिया।

जयपाल मालवीय ने एयर पिस्टल में जीता सिल्वर

इससे पहले पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारतीय निशानेबाज जयपाल मालवीय ने सिल्वर मेडल जीतकर देश को एक और बड़ी सफलता दिलाई। उन्होंने दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई और रजत पदक अपने नाम किया। जयपाल ने क्वालिफिकेशन राउंड में 585-23× का स्कोर किया। उनकी सीरीज का स्कोर 97, 99, 97, 99, 97 और 96 रहा। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने तीसरे स्थान के साथ फाइनल में प्रवेश किया।

महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने भी जीता रजत

भारतीय महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने भी चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया।

मास्टर्स जापान: लक्ष्य का शानदार प्रदर्शन, पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंचे; चीनी ताइपे के खिलाड़ी को हराया



कुमामोतो,ए.। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने बुधवार को चीनी ताइपे के ची यू जेन को सीधे गेम में हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला 21-19, 21-18 से अपने नाम किया। जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीतने के बाद लक्ष्य का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है।

युगल मुकाबलों में मिली निराशा

हालांकि युगल मुकाबलों में भारत को निराशा का सामना करना पड़ा। भारत के ध्रुव रावत और के. मनीषा को चीनी ताइपे की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ये होंग वेई और निकोल गोंजालेस चान के खिलाफ 21-16, 14-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, हरिहरन अमसाकरुणन और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी जियांग झेन बांग और वेई या शिन से 7-21, 9-21 से हार गई। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पिछले साल मलयेशिया ओपन में ची यू जेन के खिलाफ हार मिली थी। हालांकि उसी साल ऑस्ट्रेलिया ओपन में उन्होंने इस हार का बदला ले लिया था। बुधवार को भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और मुकाबले में हर अंक के लिए संघर्ष हुआ।

आईपीएल 2027: हार्दिक के बाद मुंबई इंडियंस का नया कप्तान कौन, उपकप्तानी किसे मिलेगी? रोहित समेत ये हैं दावेदार



मुंबई,ए.। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने आईपीएल 2027 से पहले बड़ा बदलाव करते हुए हार्दिक पांड्या को पंजाब किंग्स के साथ ट्रेड कर दिया है। इस ट्रेड के तहत तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई की टीम में शामिल हुए हैं। हार्दिक के जाने के साथ ही पांच बार की चैंपियन टीम के सामने अब सबसे बड़ा सवाल नए कप्तान को चुनने का है। हार्दिक ने 2024 में टीम की कमान संभाली थी और पिछले दो सीजन तक कप्तान रहे। अब उनकी जगह कौन लेगा, इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच आईपीएल खिताब जीते हैं। ऐसे में उनकी वापसी की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा भी इस दौड़ में मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। जसप्रीत बुमराह का नाम उपकप्तानी के विकल्प के तौर पर भी सामने है। दूसरी ओर, फ्रेंचाइजी ने साफ किया है कि वह कप्तानी पर जल्दबाजी में फैसला नहीं करेगी।

रोहित शर्मा की हो सकती है कप्तानी में वापसी

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा नए नेतृत्व के सबसे चर्चित दावेदार हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल खिताब जीते थे। रोहित ने टीम को पांच बार चैंपियन बनाया और फ्रेंचाइजी के सबसे सफल कप्तान रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और क्रिकेट जगत में चल रही चर्चाओं के मुताबिक, 2026 सीजन में टीम के नौवें स्थान पर रहने के बाद प्रबंधन अनुभव और स्थिरता को प्राथमिकता दे सकता है। ऐसे में रोहित को एक बार फिर कप्तानी सौंपने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने इस बारे में कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया है। अगर मुंबई इंडियंस रोहित को कप्तान बनाती है, तो यह टीम के लिए पुराने नेतृत्व की ओर लौटने जैसा होगा। उनके अनुभव और टीम के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए यह विकल्प चर्चा में है।

सूर्यकुमार यादव भी मजबूत दावेदार

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके सूर्यकुमार यादव भी मुंबई इंडियंस के अगले कप्तान बन सकते हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने 2026 टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी करने का अनुभव भी उनके पास है। सूर्यकुमार टीम के मौजूदा खिलाड़ियों में से हैं और उनके पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कप्तानी का अनुभव है। ऐसे में फ्रेंचाइजी अगर किसी नए पूर्णकालिक कप्तान को जिम्मेदारी देना चाहती है, तो सूर्यकुमार स्वाभाविक विकल्प हो सकते हैं । उनकी कप्तानी में टीम को एक ऐसा नेतृत्व मिल सकता है, जो अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट दोनों में अपनी क्षमता दिखा चुका है। हालांकि, इस भूमिका के लिए फ्रेंचाइजी का अंतिम फैसला आना बाकी है।

तिलक वर्मा को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा भी कप्तानी की दौड़ में शामिल हैं। वह 2022 से टीम का हिस्सा हैं और भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान भी हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी उन्हें भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करने पर विचार कर सकती है। अगर मुंबई इंडियंस लंबे समय की योजना के तहत किसी युवा खिलाड़ी को नेतृत्व सौंपना चाहती है, तो तिलक का नाम अहम हो सकता है। उन्हें सीधे कप्तान बनाने के बजाय पहले उपकप्तान की जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। इससे उन्हें टीम के नेतृत्व का अनुभव हासिल करने का मौका मिलेगा।

उपकप्तानी के लिए तिलक, बुमराह और सूर्यकुमार के नाम

कप्तान के साथ मुंबई इंडियंस को नए उपकप्तान की भी जरूरत होगी। अगर रोहित शर्मा या सूर्यकुमार यादव को कप्तानी मिलती है, तो तिलक वर्मा उपकप्तानी के मजबूत दावेदार हो सकते हैं। भारतीय टी20 टीम में उपकप्तान की भूमिका निभाने का अनुभव उनके पक्ष में जाता है। जसप्रीत बुमराह भी इस पद के लिए एक विकल्प हैं। वह लंबे समय से मुंबई इंडियंस की टीम का हिस्सा हैं और भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। हालांकि, तेज गेंदबाज होने के कारण पूरे सीजन उनकी उपलब्धता और कार्यभार का प्रबंधन अहम होगा। इसके बावजूद मैदान पर उनके अनुभव और रणनीतिक समझ से टीम को फायदा मिल सकता है। अगर रोहित शर्मा को कप्तानी मिलती है, तो सूर्यकुमार यादव उपकप्तान की भूमिका निभा सकते हैं। इससे टीम को एक अनुभवी नेतृत्व समूह मिल सकता है। वहीं, सूर्यकुमार के कप्तान बनने पर तिलक या बुमराह को उपकप्तानी सौंपी जा सकती है।

मुंबई इंडियंस ने कहा- सही समय पर होगा कप्तान का एलान

कप्तानी को लेकर चल रही अटकलों के बीच मुंबई इंडियंस ने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले में सोच-समझकर फैसला करेगी। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में कहा, %मुंबई इंडियंस आगामी सीजन की ओर देख रही है और कप्तानी के विकल्पों का मूल्यांकन करने के लिए सोच-समझकर फैसला करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा उचित समय पर की जाएगी।% यह बयान बताता है कि फिलहाल फ्रेंचाइजी ने किसी खिलाड़ी के नाम पर मुहर नहीं लगाई है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों की रिटेंशन की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि मिनी नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में होगी। ऐसे में कप्तानी का फैसला टीम की रिटेंशन और नीलामी की रणनीति को भी प्रभावित कर सकता है।

हार्दिक के जाने से बदलेगा मुंबई का टीम संयोजन

हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस से जाना फ्रेंचाइजी के लिए एक बड़े बदलाव का संकेत है। वह पहली बार 2015 में टीम से जुड़े थे और चार खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ने के बाद उन्होंने उस टीम को अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनाया। 2023 में गुजरात की टीम फाइनल तक पहुंची थी। इसके बाद 2024 में हार्दिक मुंबई लौटे और कप्तान बने। अब वह पंजाब किंग्स का हिस्सा होंगे। इस ट्रेड में उनकी सैलरी 16.35 करोड़ रुपये से बढ़कर 18 करोड़ रुपये हो गई है। अर्शदीप सिंह भी 18 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस पर मुंबई इंडियंस से जुड़े हैं। हार्दिक ने आईपीएल में 162 मैचों में 2,955 रन बनाए हैं और 82 विकेट लिए हैं। वहीं, अर्शदीप पंजाब किंग्स के लिए 96 मैचों में 111 विकेट लेकर फ्रेंचाइजी के सबसे सफल गेंदबाज रहे। वह 2019 में पंजाब से जुड़े थे और अब आठ सीजन बाद टीम से अलग हुए हैं। अर्शदीप के आने से मुंबई की तेज गेंदबाजी को मजबूती मिलेगी। वह जसप्रीत बुमराह के साथ नई गेंद संभाल सकते हैं और डेथ ओवरों में भी उपयोगी साबित हो सकते हैं। मुंबई इंडियंस के मालिक आकाश अंबानी ने उनके टीम से जुड़ने पर कहा, अर्शदीप के आने से हमारी गेंदबाजी को एक नया आयाम मिलेगा। हम हमेशा अनुभव, कौशल और प्रतिस्पर्धा की भूख का सही संतुलन बनाने वाली टीम तैयार करने की कोशिश करते हैं। अर्शदीप में ये सभी खूबियां हैं। हम ब्लू और गोल्ड जर्सी में उनका स्वागत करते हैं। अब मुंबई इंडियंस के सामने कप्तानी और टीम संयोजन, दोनों को लेकर अहम फैसले हैं। रोहित की वापसी, सूर्यकुमार को नई जिम्मेदारी या तिलक पर भविष्य का दांव- फ्रेंचाइजी किस विकल्प को चुनती है, इसका जवाब आने वाले दिनों में मिलेगा।

विश्व चैंपियनशिप: निशानेबाज नीरज कुमार ने हासिल किया ओलंपिक कोटा, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में जीता कांस्य



दोहा,ए.। भारतीय निशानेबाज नीरज कुमार ने बुधवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया। इस चैंपियनशिप में भारत का यह दूसरा ओलंपिक कोटा है। इससे पहले जयपाल मालवीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश के लिए पहला कोटा हासिल किया था।

रजत की दौड़ में बने हुए थे नीरज

नीरज ने फाइनल में कुल 346.5 अंक हासिल किए। वह रजत पदक की दौड़ में भी बने हुए थे लेकिन अंतिम दौर में 9.4 अंक का निशाना लगाने के कारण उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) के रूप में हिस्सा ले रहे दिमित्री पिमेनोव ने 362.8 अंक के विश्व जूनियर रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि स्लोवाकिया के पैट्रिक जानी ने रजत पदक जीता। पिमेनोव और जानी ने भी लॉस एंजिलिस ओलंपिक के कोटा हासिल किए। फाइनल में पहुंचे भारत के एक अन्य निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 323.7 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

भाई दूज पर दिल्ली में सोना 800 रुपये टूटा, चांदी 5000 रुपये लुढ़की



नई दिल्ली,ए.। देश की राजधानी दिल्ली में बुधवार को सोने के दाम लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरे। दिवाली की छुट्टियों के दौरान कम कारोबारी गतिविधि के कारण कीमती धातु पर दबाव रहा। सोना 800 रुपये टूटकर 10 ग्राम 1.45 लाख रुपये पर आ गया। चांदी भी 5000 रुपये लुढ़ककर 1,87,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्ध पीली धातु 800 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर बंद हुई। मंगलवार को यह 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थी। चांदी भी दो सत्रों तक स्थिर रहने के बाद गिरावट में शामिल हो गई। चांदी की कीमतें 5,000 रुपये गिरकर 1,87,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। इसका पिछला बंद भाव 1,92,500 रुपये प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक- कमोडिटीज, सौमिल गांधी ने बताया कि बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई। यह दिवाली की छुट्टियों के दौरान घरेलू कारोबारी गतिविधि में कमजोरी के कारण हुआ। कई स्थानीय बाजार बंद रहे, जिससे कीमतों पर दबाव पड़ा। गांधी ने कहा कि कीमती धातुओं का दृष्टिकोण लगातार मुद्रास्फीति और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कठोर संकेतों से भी प्रभावित है। इससे डॉलर और ट्रेजरी यील्ड ऊंचे रह सकते हैं, जो सोने की सुधार की संभावनाओं को सीमित करेगा।

क्या वैश्विक बाजार में भी यही रुझान रहा?

वैश्विक बाजार में हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,047.71 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी करीब 3 फीसदी बढ़कर 52.86 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। मीराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि पिछले सत्र की तेज बिकवाली के बाद हाजिर सोना 4,051 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर होने का प्रयास कर रहा था। यह वैश्विक बाजार में सोने के लिए एक महत्वपूर्ण स्तर है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रमों का क्या असर है?

भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार के केंद्र में बने रहे। अमेरिका-ईरान शांति समझौते की उम्मीदें जोर पकड़ रही थीं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन, तेल अवीव और तेहरान से जुड़ा युद्ध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है। हालांकि, ईरान अपनी मांगों पर जोर दे रहा है। इनमें अपनी संपत्तियों को जारी करना, नौसैनिक नाकेबंदी हटाना और प्रतिबंध समाप्त करना शामिल है। सभी मोर्चों पर शत्रुता समाप्त करने की मांग भी ईरान कर रहा है।

आरबीआई का फैसला: बैंक शाखाओं पर जाकर एनईएफटी के जरिए 50 हजार रुपये तक भेज सकेंगे



नई दिल्ली,ए.। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को घरेलू धन हस्तांतरण से जुड़े नए निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत, बैंक शाखाओं पर जाकर एनईएफटी के जरिए किसी लाभार्थी के बैंक खाते में 50,000 रुपये तक की राशि सीधे जमा कर सकेंगे। यह कदम छोटे मूल्य के फंड ट्रांसफर को औपचारिक बैंकिंग चैनलों के जरिये आसान बनाने के लिए उठाया गया है। विशेष रूप से उन व्यक्तियों को लाभ होगा जिनके पास पहचान या पते के प्रमाण की कमी है, जैसे कि प्रवासी श्रमिक। केंद्रीय बैंक ने घरेलू धन हस्तांतरण (DMT) से संबंधित मौजूदा निर्देशों को सुसंगत और समेकित करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक (घरेलू धन हस्तांतरण) निर्देश, 2026 जारी किए हैं। ये निर्देश बुधवार से प्रभावी हो गए हैं।

वॉक-इन ग्राहक कैसे भेज सकेंगे पैसे?

बैंक वॉक-इन ग्राहकों को कारोबार कॉरेस्पोंडेंट (BCs) और एटीएम के माध्यम से भी धन हस्तांतरित करने की अनुमति दे सकते हैं। इस माध्यम से प्रति लेनदेन अधिकतम 5,000 रुपये भेजे जा सकते हैं। प्रति प्रेषक के लिए मासिक सीमा 25,000 रुपये निर्धारित की गई है। यह सुविधा उन लोगों के लिए है जिनके पास बैंक खाते नहीं हैं। यह छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में लोगों के लिए एक बड़ी सुविधा होगी।

नकद भुगतान सेवा क्या है और इसकी सीमाएं क्या हैं?

बैंक अपने ग्राहकों के खातों से उन प्राप्तकर्ताओं को नकद में धन वितरित करने की सेवाएं प्रदान कर सकते हैं जिनके पास बैंक खाते नहीं हैं। यह सेवा एटीएम, कारोबार कॉरेस्पोंडेंट के रूप में नियुक्त एजेंट या किसी अन्य अधिकृत भुगतान चैनल के माध्यम से उपलब्ध होगी। नकद भुगतान सेवा के तहत प्रति लेनदेन अधिकतम 10,000 रुपये हस्तांतरित किए जा सकते हैं। प्रति लाभार्थी के लिए कुल मासिक सीमा 25,000 रुपये तय की गई है। कार्ड-टू-कार्ड ट्रांसफर इन निर्देशों के दायरे से बाहर रखे गए हैं।

सुरक्षा और निगरानी के क्या उपाय हैं?

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकों और गैर-बैंकों को मजबूत सुरक्षा प्रणालियां स्थापित करनी चाहिए। इनमें वेग जांच और खातों में क्रेडिट के संबंध में ग्राहकों को अलर्ट शामिल हैं। किसी विशेष खाते या खातों के समूह में क्रेडिट की मात्रा में असामान्य वृद्धि की तुरंत जांच की जाएगी।

अमूल का बड़ा झटका: दूध की कीमतों में दो रुपये से चार रुपये तक का इजाफा, 12 नवंबर से नई दरें लागू



नई दिल्ली,ए.। खुदरा महंगाई के मोर्चे पर आम उपभोक्ता की जेब पर एक और बड़ा बोझ पड़ने जा रहा है। मदर डेयरी के बाद देश की प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने भी दूध की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। इस बढ़ोतरी से आम उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा आर्थिक असर पड़ेगा। अमूल ने दूध के दाम में दो रुपये से लेकर चार रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की है। कीमतों में यह वृद्धि अमूल के विभिन्न दूध उत्पादों पर लागू होगी। कंपनी के इस फैसले से आम लोगों का दैनिक घरेलू बजट प्रभावित होगा।

दूध की कीमतों में इजाफे का क्या मतलब है?

जीसीएमएमएफ ने इस बढ़ोतरी के लिए जानवरों के चारे, पैकेजिंग मटीरियल और फ्यूल की बढ़ती कीमतों को ज़िम्मेदार ठहराया है। फेडरेशन ने कहा कि इस बदलाव से बढ़ती इनपुट लागत के बीच दूध प्रोड्यूसर को पेमेंट बेहतर करने में मदद मिलेगी। अमूल द्वारा जारी बयान के अनुसार, दूध की कीमतों में प्रति लीटर दो रुपये से चार रुपये तक का इजाफा किया गया है।

यह वृद्धि उपभोक्ताओं को अब महंगा दूध खरीदने के लिए मजबूर करेगी। इस कदम से दूध और दूध से बने उत्पादों की लागत भी बढ़ सकती है।

अमूल ताजा और अमूल गोल्ड के दाम कितने बढ़े हैं?

जीसीएमएमएफ (GCMMF) के आधिकारिक बयान के अनुसार, अलग-अलग फैट सामग्री वाले वेरिएंट्स के आधार पर कीमतों में संशोधन किया गया है- अमूल ताजा (Amul Taaza)- 3 प्रतिशत मिल्क फैट वाले इस सर्वाधिक बिकने वाले टोंड दूध की कीमत में सिर्फ दो रुपये प्रति लीटर (3.3 प्रतिशत की वृद्धि) की गई है। अमूल गोल्ड (Amul Gold)- 6 प्रतिशत मिल्क फैट वाले फुल क्रीम दूध की कीमत में चार रुपये प्रति लीटर (5.5 प्रतिशत की वृद्धि) का इजाफा हुआ है।

कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए आधुनिक तकनीक, निवेश और नवाचार को दिया जा रहा है बढ़ावा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती और उन्नत कृषि पद्धतियों पर विशेष जोर

कृषि क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था

महिला, युवा और प्रगतिशील किसानों की भागीदारी से प्रदेश को कृषि क्षेत्र में बनाया जाएगा आत्मनिर्भर और समृद्ध



भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि क्षेत्र को अधिक लाभकारी, आधुनिक और रोजगारपरक बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने तथा खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से आधुनिक तकनीक, नवाचार और उन्नत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नई दिल्ली मंडपम में निजी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित भारत एग्रीकल्चरल कॉन्क्लेव में सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का विशेष ध्यान प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर है। किसानों को परंपरागत खेती के साथ नई तकनीकों और लाभकारी कृषि गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।कृषि क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा रहा है। सिंगल विंडो सिस्टम से निवेशकों को विभिन्न विभागों की आवश्यक अनुमतियां एक ही व्यवस्था के अंतर्गत उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार कर अधिक से अधिक कृषि भूमि को सिंचित क्षेत्र के दायरे में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराने के साथ कृषि अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। इससे उत्पादन में वृद्धि और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सरकार द्वारा महिला किसानों, युवाओं और प्रगतिशील किसानों को कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। कृषि को केवल परंपरागत व्यवसाय तक सीमित न रखते हुए इसे आधुनिक तकनीक, उद्यमिता और रोजगार से जोड़ने की दिशा में पहल की जा रही है। किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, बेहतर बीज, आधुनिक कृषि उपकरणों तथा फसल प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे किसानों को बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन करने और बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। राज्य सरकार का लक्ष्य कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आय और जीवन स्तर में सुधार करना है। आधुनिक कृषि, निवेश, नवाचार और किसान-केंद्रित योजनाओं के समन्वय से मध्यप्रदेश को कृषि के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जबलपुर, धार, जोबट और खंडवा में होंगे राज्यस्तरीय समारोह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बिरसा मुंडा जयंती पर धार जिले में करेंगे रोड-शो
क्षेत्रीय किसानों को दिया जाएगा आधुनिक खेती का प्रशिक्षण

भोपाल,निप्र। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जयंती (राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस) के अवसर पर राज्य सरकार आगामी 14, 15 एवं 16 नवम्बर को त्रिदिवसीय जयंती समारोह मनाने जा रही है। इसके तहत राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में 14 नवम्बर को जबलपुर, 15 नवम्बर को धार एवं जोबट (जिला आलीराजपुर) और 16 नवम्बर को खंडवा जिले में राज्य स्तरीय भव्य आयोजन होने जा रहा है। धार जिले में 15 नवम्बर को होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कार्यक्रम में जुड़कर प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे।

धार में होगा विशेष कार्यक्रम

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव 15 नवम्बर को धार पहुंचेंगे तथा भगवान बिरसा मुंडा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री डा. यादव धार जिले में रोड शो भी करेंगे। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री क्षेत्रीय ग्रामीणों के बीच जायेंगे और उनसे संवाद कर शासकीय योजनाओं के लाभ प्रदाय का फीडबैक भी लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार जिले में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना (स्वामित्व अधिकार पंजीयन) के तहत पात्र पट्टेधारियों के प्लॉट और मकान की रजिस्ट्री का अपने समक्ष निष्पादन भी करायेंगे। साथ ही धार जिलेवासियों को करोड़ों की लागत के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। भगवान बिरसा मुंडा जयंती को और भी विशेष बनाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव 15 नवम्बर को ही डही माइक्रो लिफ्ट इरीगेशन प्रोजेक्ट का लोकार्पण कर धार और आलीराजपुर जिले के किसानों को खेतों में सिंचाई के लिये नर्मदा जल का अनुपम उपहार देंगे।

एक सिंचाई परियोजना बदलेगी दो जिलों की तकदीर और तस्वीर

प्रदेश के जनजातीय अंचलों में विकास की नई इबारत लिखने और किसानों के खेतों में टेल एंड तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार का एक और महत्वपूर्ण प्रयास अब धरातल पर उतरने जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 15 नवम्बर को जनजातीय बहुल धार जिले के पुलिस ग्राउंड डही में होने वाले राज्य स्तरीय आयोजन में नव निर्मित डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करेंगे। मां नर्मदा के जल से खेतों को सिंचित करने वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना धार और आलीराजपुर 2 जिलों के कुल 126 गांवों के किसानों के लिए खेती-किसानी की समृद्धि और नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारा संकल्प है कि खेतों तक पानी पहुंचे, किसान समृद्ध हों और जनजातीय अंचल विकास की मुख्यधारा में अपनी नई पहचान बनाए। डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

डही इरीगेशन प्रोजेक्ट के बारे में

डही माइक्रो लिफ्ट इरीगेशन प्रोजेक्ट से धार जिले के 84 और आलीराजपुर जिले के 42 गांवों की लगभग 47 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को रबी मौसम में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इससे लगभग 1 लाख 26 हजार किसान लाभान्वित होंगे।

परियोजना के जरिए 166.51 मिलियन घनमीटर जल उद्वहन कर 47000 हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना के संचालन के लिए 58.87 मेगावाट विद्युत म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड द्वारा कुक्षी तहसील क्षेत्र में स्थित 220 केवी अति उच्च दाब सुसारी सब-स्टेशन तथा जोबट स्थित 132 केवी सब-स्टेशन से विद्युत आपूर्ति की जाएगी। परियोजना से धार जिले की कुक्षी तहसील क्षेत्र में 13,180 हेक्टेयर एवं डही तहसील क्षेत्र में 15,895 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इसी परियोजना से आलीराजपुर जिले की जोबट तहसील क्षेत्र में 15,963 हेक्टेयर, सोण्डवा तहसील क्षेत्र में 1,759 हेक्टेयर एवं आलीराजपुर तहसील क्षेत्र में 1,958 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की स्थायी सुविधा का लाभ मिलेगा। परियोजना से गेहूं, चना, सब्जियों सहित विभिन्न फसलों के उत्पादन को और भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही फसल विविधीकरण और किसानों की आय में वृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ेगी। यह परियोजना लक्षित जनजातीय अंचल में कृषि विकास, जल संरक्षण और किसानों की खुशहाली का नया अध्याय लिखेगी।

मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने कर्मचारी कल्याण विषयों पर की गहन समीक्षा

अनुकंपा नियुक्ति, पदोन्नति, सीधी भर्ती, विभागीय जाँच और पेंशन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए

अगले वर्ष दो पीएससी के लिए कैलेंडर निर्धारित-समय-सीमा में प्रस्ताव भेजने के निर्देश

भोपाल,निप्र। मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने सभी विभागाध्यक्षों से कहा है कि वे शासन की मंशानुरूप निर्धारित पदोन्नति समय-सीमा पूर्ण कर लें और कर्मचारी कल्याण के अन्य विषयों पर भी समय सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव बुधवार को मंत्रालय में कर्मचारी कल्याण से संबंधित विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा कर रहे थे। बैठक में अनुकंपा नियुक्ति, सीधी भर्ती, विभागीय जाँच और पेंशन प्रकरणों की स्थिति पर विमर्श किया गया। बैठक में विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव आदि उपस्थित थे।

अनुकंपा नियुक्ति के लिए विशेष अभियान चलाए

मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने निर्देश दिए कि सभी विभागाध्यक्ष सभी संवर्गों यथा राज्य और जिला स्तरीय पदोन्नति समिति की अब तक हुई बैठक के बाद पदोन्नति तथा सेवानिवृत्ति से रिक्त पदों की सूक्ष्मता से समीक्षा कर लें और रिक्त पदों पर सेट अप अनुसार सीधी भर्ती और अनुकंपा नियुक्ति कर लें।

उन्होंने सीधी भर्ती के लिए कर्मचारी चयन मंडल और मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग को समय-सीमा में प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं। बैठक में बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने सर्वाधिक 904 अनुकंपा नियुक्ति की हैं और विभिन्न विभागों में अब भी 2300 से अधिक प्रकरण लंबित है। उन्होंने प्रकरण लंबित होने के कारणों की समीक्षा की और विभागाध्यक्षों से कहा कि वे विशेष अभियान चलाकर अनुकंपा नियुक्तिया करें।

समय-सीमा में पदोन्नति करने के निर्देश-- अब तक हुई 68437 पदोन्नति

मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने कहा कि गत वर्ष तक के रिक्त पदों पर पदोन्नतियां की गयी है और गृह तथ राजस्व विभाग ने बेहतर काम किया है। उन्होंने कहा कि निर्देश अनुसार इस साल होने वाली पदोन्नितियों को भी प्रारम्भ करें। उन्होंने पी.एस.सी द्वारा पिछली पदोन्नति समिति की बैठक में सभी विभागों को बेहतर समन्वय के लिए धन्यवाद दिया



और आगामी पदोन्नति के लिए बैठक की तिथियां आदि निर्धारित करने में और भी समन्वय करने के लिए कहा है। बैठक में बताया गया कि अब तक 68437 शासकीय सेवकों को पदोन्नत किया जा चुका है एवं रिक्त पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया सतत् रूप से जारी है।

सीधी भर्ती से डेढ़ लाख पद भरे जाएंगे

मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने पदोन्नति और सेवानिवृति से रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डेढ़ लाख पदों पर सीधी भर्ती की कार्यवाही मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल द्वारा की जाना है। निर्धारित मापदंड अनुसार सभी विभाग रोड मैप बनाकर भर्तीया समय-सीमा में सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि पी.एस.सी को 6588 पद पर और कर्मचारी चयन मंडल को 17299 पद पर सीधी भर्ती के प्रस्ताव भेजे गए है। मुख्य सचिव ने अनुशासनात्मक कार्यवाही अंतर्गत विभागीय जाँच की भी समीक्षा की और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि समय-सीमा में विभागीय जाँच पूर्ण की जाए। मुख्य सचिव ने पेंशन प्रकरणों के ऑनलाइन निराकरण की समीक्षा की और वित्त विभाग को निर्देश दिए कि ऑनलाइन प्रमाण पत्र आदि अपलोड करने में विभिन्न विभागों के अधीनस्थ अमले को आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए परिपत्र जारी करें।

नियमित और विशेष पीएससी के लिए कैलेंडर निर्धारित

मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने वर्ष 2027 में दो राज्य सेवा परीक्षा आयोजित किय जाने के संबंध में भी मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग और विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2027 में नियमित पीएससी के अलावा विशेष राज्य सेवा परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में पीएससी के सचिव ने बताया कि नियमित राज्य सेवा परीक्षा 2027 के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह तक रिक्तियों संबंधित विज्ञापन , प्रकाशन किया जायेगा और जनवरी 2027 में प्रारम्भिक परीक्षा, जून में मुख्य परीक्षा एवं नवम्बर 2027 में साक्षात्कार आयोजित किए जाने की योजना है। इसी तरह विशेष राज्य सेवा परीक्षा के लिए मार्च 2027 में रिक्तियों का विज्ञापन मई में प्रारम्भिक परीक्षा, सितम्बर में मुख्य परीक्षा एवं दिसम्बर 2027 में साक्षात्कार आयोजित किए जाने की योजना है। मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने सभी विभागों को निर्देश दिए है कि पीएससी के कैलेंडर के दृष्टिगत नियमित पीएससी के लिए 31 दिसम्बर 2026 की स्थिति में संभावित रिक्त पदों की भर्तीयों के प्रस्ताव अनिवार्य रूप से 25 नवम्बर तक प्रेषित करें। उन्होंने विशेष पीएससी के लिए भी वर्ष 2027 में संभावित रिक्तियों का आकलन कर भर्ती के लिए 15 मार्च तक प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए है।

सुशासन के लिए डैशबोर्ड पर विभागों की विभिन्न योजनाएं

बैठक में मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने बताया कि सुशासन की दृष्टि से आमजन और प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ी अनेक सेवाओं को डैशबोर्ड पर लाया जा रहा है।इस दौरान प्रारंभिक डैशबोर्ड का प्रदर्शन भी किया गया। नामांतरण, सीमांकन, बटवारा आदि के प्रकरणों के अतिरिक्त विभिन्न विभागों के लाइसेंस और पंजीयन से संबंधित सेवाओं के लिए विकसित किए जा रहे डैश बोर्ड को लंबित प्रकरणों की स्थिति बताई गई और विभागाध्यक्षों से सुझाव आमंत्रित किए गए।मुख्य सचिव ने लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में समाधान करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने महज 94 दिनों में 84 हजार से अधिक शिकायतों का किया निराकरण

तीन माह में सातवें से चौथे स्थान पर पहुंचा विभाग, सितंबर की ग्रेडिंग में 87.33 वेटेज स्कोर के साथ मिला 'ए' ग्रेड

भोपाल,निप्र। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बताया है कि मध्यप्रदेश में सुशासन, जवाबदेही और नागरिक सेवाओं के समयबद्ध प्रदाय की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग ने सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है।

विभाग ने महज 94 दिनों में 84 हजार 289 शिकायतों का निराकरण कर शिकायत निवारण व्यवस्था में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। सीएम हेल्पलाइन की सितंबर 2026 की विभागीय ग्रेडिंग में 87.33 वेटेज स्कोर के साथ विभाग ने 'ए' ग्रेड प्राप्त करते हुए प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया है। विशेष बात यह है कि विभाग ने पिछले तीन माह में अपनी रैंकिंग में तीन पायदान का सुधार करते हुए सातवें से चौथे स्थान पर पहुंचने में सफलता प्राप्त की है।

94 दिनों में 84 हजार से अधिक शिकायतों का निराकरण

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए संचालित विशेष प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। विभाग में 30 जुलाई 2026 की स्थिति में 62 हजार 918 शिकायतें लंबित थीं। इसके बाद 3 नवंबर 2026 तक 52 हजार 229 नई शिकायतें प्राप्त हुईं। इस प्रकार कुल एक लाख 15 हजार 147 शिकायतों में से 94 दिनों की अवधि में 84 हजार 289 शिकायतों का निराकरण किया गया।

इनमें पूर्व से लंबित 46 हजार 36 और नवीन प्राप्त 38 हजार 253 शिकायतें शामिल हैं। इस अवधि में कुल उपलब्ध शिकायतों में से लगभग 73 प्रतिशत का निराकरण किया गया। इसी प्रकार एक अप्रैल से 3 नवंबर 2026 तक की अवधि में प्राप्त एक लाख 18 हजार 514 शिकायतों में से 99 हजार 932 शिकायतों का निराकरण किया गया। यह इस अवधि में प्राप्त कुल शिकायतों का लगभग 84 प्रतिशत है। विभाग द्वारा शिकायतों की नियमित समीक्षा, अधिकारियों की जवाबदेही और विशेष निराकरण अभियान के माध्यम से शिकायत निवारण प्रक्रिया को गति दी जा रही है।

विशेष अभियान में प्रदेश का 'बेस्ट परफॉर्मर' बना विभाग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 29 सितंबर तथा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक अक्टूबर 2026 को आयोजित जन विश्वास अभियान की समीक्षा बैठकों में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई थी। विभाग द्वारा 18 सितंबर से प्रारंभ विशेष अभियान के अंतर्गत 100 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके परिणामस्वरूप 18 सितंबर से एक अक्टूबर 2026 की अवधि में सर्वाधिक संख्या में शिकायतों का निराकरण करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने राज्य स्तर पर 'बेस्ट परफॉर्मर' के रूप में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

54 जिलों को 'ए' ग्रेड, रायसेन प्रदेश में प्रथम

सीएम हेल्पलाइन की सितंबर 2026 की जिलेवार ग्रेडिंग में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत प्रदेश के 55 जिलों में से 54 जिलों ने 'ए' ग्रेड प्राप्त किया, जबकि केवल एक जिला 'बी' ग्रेड में रहा। रायसेन जिले ने 97.43 वेटेज स्कोर के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

राजगढ़ 95.95 स्कोर के साथ दूसरे और दतिया 94.40 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहा। उज्जैन और शाजापुर ने क्रमशः चौथा एवं पांचवां स्थान प्राप्त किया। जिलों का यह प्रदर्शन शिकायतों के निराकरण में मैदानी स्तर पर की जा रही नियमित निगरानी और समन्वित प्रयासों को दर्शाता है।

एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी के आधिकारिक लोगो और ट्रॉफी का अनावरण मंत्री श्री सारंग ने किया

ट्रॉफी टूर का किया शुभारंभ

19 नवंबर को भारत और मलेशिया के बीच होंगे मुकाबले; दर्शकों के लिए सभी मुकाबलों में फ्री एंट्री

6 देशों के 150 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का करेंगे प्रदर्शन

166 देशों में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क एवं हॉटस्टार पर प्रतियोगिता का होगा लाइव प्रसारण

मुख्यमंत्री यादव और केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया करेंगे प्रतियोगिता और खेल परिसर का शुभारंभ



भोपाल,निप्र। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में एशियन वूमेंस हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी भोपाल-2026 के आधिकारिक लोगो और ट्रॉफी अनावरण के साथ ट्रॉफी टूर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव और प्रतिष्ठा का विषय है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल पहली बार इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रही है। एशियन हॉकी फेडरेशन एवं हॉकी इंडिया के सहयोग से मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 19 से 28 नवंबर 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बरखेड़ा नाथू, भोपाल में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। लगभग 5 हजार दर्शकों की क्षमता वाले अत्याधुनिक हॉकी स्टेडियम में दर्शकों के लिए एंट्री फ्री रहेगी। वर्ल्ड रैंकिंग की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रथम चरण का लोकार्पण किया जाएगा। प्रतियोगिता में एशिया की 6 शीर्ष महिला हॉकी टीमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की लगभग 150 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल अधोसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में अभूतपूर्व प्रयास किए गए हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि भारतीय खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश भी खेलों के क्षेत्र में तेजी से अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल में इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश की खेल क्षमताओं और विश्वस्तरीय आयोजन की तैयारियों का प्रमाण है।

19 नवंबर को भारत और मलेशिया के बीच होगा मुकाबला

प्रतियोगिता के पहले दिन भारतीय महिला हॉकी टीम मैदान में उतरेगी। शुभारंभ दिवस पर कुल तीन मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। पहला मुकाबला चीन और थाईलैंड के बीच दोपहर 1 बजे, दूसरा मुकाबला जापान और कोरिया के बीच दोपहर 3:15 बजे तथा तीसरा और दिन का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला मेजबान भारत और मलेशिया के बीच शाम 7 बजे खेला जाएगा। स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क एवं हॉटस्टार पर प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण होगा।

प्रदेश के सभी संभागों तक पहुंचेगी ट्रॉफी टूर

प्रतियोगिता के व्यापक प्रचार-प्रसार और आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 11 नवंबर से 17 नवंबर तक ट्रॉफी टूर का आयोजन किया गया है। जो भोपाल से प्रारंभ होकर मध्यप्रदेश के सभी संभागों भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, शहडोल, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में ट्रॉफी टूर किया जाएगा। सभी संभागों में मंत्रीगण, सांसदगण एवं विधायकगण द्वारा ट्रॉफी का स्वागत किया जाएगा। इस दौरान उत्कृष्ट खिलाड़ियों, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों एवं युवाओं की सहभागिता से रैलियां, जनजागरूकता कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

फ्लड लाइट की रोशनी में होंगे रोमांचक डे-नाइट मुकाबले

प्रतियोगिता के सभी मुकाबले डे-नाइट फॉर्मेट में फ्लड लाइट की रोशनी में आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन तीन मुकाबले खेले जाएंगे। दर्शकों को विश्वस्तरीय महिला हॉकी के रोमांच और खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को करीब से देखने का अवसर मिलेगा।

नवंबर माह हॉकी खेल को रहेगा समर्पित

पूरा नवंबर माह हॉकी खेल को समर्पित रहेगा। भारत की हॉकी टीम और मध्यप्रदेश अकादमी की हॉकी टीम के बीच मैत्री मैच का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के हॉकी अकादमी और फीडर सेंटर के खिलाड़ियों का भारतीय हॉकी टीम और अन्य देशों की टीमों के खिलाड़ियों के साथ इंटरैक्शन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि साथ ही विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर जनजागरूकता भी बढ़ाई जाएगी।

जनजातीय व्यंजन और लोककलाओं को मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय मंच

एशियन वूमेंस हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी का आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसके माध्यम से मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी वैश्विक पहचान दिलाई जाएगी। आयोजन स्थल पर विशेष ट्राइबल फूड एवं आर्ट स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें प्रदेश के पारंपरिक जनजातीय व्यंजनों, हस्तशिल्प, लोककलाओं एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं दर्शकों को मध्यप्रदेश की विविधतापूर्ण संस्कृति से परिचित होने का अवसर भी मिलेगा। 166 देशों में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क एवं हॉटस्टार पर प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण होगा, जिससे भोपाल और मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान एवं खेल पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा।

स्प्रे बनाम क्रीमः गर्मियों के दौरान कौन-सी सनस्क्रीन करती है धूप से बेहतर बचाव?



सनस्क्रीन का उपयोग सूरज की हानिकारक किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किया जाता है। यह विभिन्न रूपों में उपलब्ध है, जिनमें स्प्रे और क्रीम सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। गर्मियों में ज्यादातर लोग क्रीम सनस्क्रीन को प्राथमिकता देते हैं, वहीं कुछ लोगों को स्प्रे वाला विकल्प समझ आता है। आइए जानते हैं कि गर्मियों के लिए कौन-सी सनस्क्रीन धूप से बेहतर बचाव कर सकती है और त्वचा की देखभाल में मदद कर सकती है।

स्प्रे सनस्क्रीन के लाभ

स्प्रे सनस्क्रीन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे लगाना बहुत आसान होता है। जब आप बाहर हों या जल्दी में हों तो इसे चेहरे और शरीर पर आसानी से छिड़ककर लगाया जा सकता है। यह जल्दी सूख जाती है और चिपचिपाहट महसूस नहीं होती, जो इसे गर्मियों के लिए आदर्श बनाता है। यह आपके मेकअप को भी खराब नहीं करती और आसानी से त्वचा में समा जाती है।

क्रीम सनस्क्रीन के लाभ

क्रीम सनस्क्रीन भी अपने आप में खास होती है। यह गहराई तक त्वचा में समाती है और लंबे समय तक असरदार रहती है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं या स्विमिंग करते हैं तो क्रीम सनस्क्रीन अधिक प्रभावी हो सकती है। यह त्वचा को नमी प्रदान करती है और सूखने का डर नहीं रहता। इसके अलावा इसका असर लंबे समय तक बना रहता है, जिससे आपको अधिक सुरक्षा मिलती है।

स्प्रे बनाम क्रीमः क्या है अंतर?

स्प्रे और क्रीम सनस्क्रीन, दोनों ही सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करती हैं। हालांकि, इनके फार्मूले अलग होते हैं। स्प्रे सनस्क्रीन में हल्का फॉर्मूला होता है, जो त्वचा पर जल्दी अवशोषित हो जाता है। वहीं क्रीम सनस्क्रीन का फॉर्मूला गाढ़ा होता है, जो त्वचा को गहराई तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा स्प्रे सनस्क्रीन जल्दी सूख जाती है, जबकि क्रीम सनस्क्रीन को सूखने में थोड़ा समय लगता है।

मौसम का रखें ध्यान

मौसम भी सनस्क्रीन चुनते समय अहम भूमिका निभाता है। गर्मियों में जब तापमान ज्यादा होता है और पसीना आता है तो स्प्रे सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि इसे लगाना आसान होता है और यह जल्दी सूख जाती है। वहीं सर्दियों में जब हवा सूखी होती है और त्वचा को अधिक नमी की जरूरत होती है तो क्रीम सनस्क्रीन बेहतर विकल्प हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को गहराई तक नमी प्रदान करती है।

त्वचा का प्रकार भी है अहम

आपकी त्वचा का प्रकार भी इस बात पर असर डालता है कि कौन-सी सनस्क्रीन बेहतर होगी।

अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो स्प्रे सनस्क्रीन बेहतर रहेगी, क्योंकि यह फुंसियों से बचाने में मदद करती है। वहीं सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करती है। संवेदनशील त्वचा वालों को भी क्रीम सनस्क्रीन अधिक सुरक्षित लग सकती है।

हाथों की खुरदरी त्वचा को मुलायम बनाने के लिए अपनाएं ये प्रभावी तरीके



हाथों की मुलायम त्वचा अक्सर काम करने की वजह से खुरदुरी और कठोर हो जाती है। यह समस्या खासकर सर्दियों में ज्यादा परेशान करती है, जब ठंड और सूखी हवा हमारे हाथों की नमी को छीन लेती है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी सुझाव देंगे, जिनसे आप अपने हाथों की खुरदरी त्वचा को मुलायम बना सकते हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने हाथों को स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं।

रोजाना नमी देने वाली क्रीम का उपयोग करें

अपने हाथों को मुलायम बनाने के लिए सबसे जरूरी कदम है नियमित रूप से नमी देने वाली क्रीम का उपयोग करना। नहाने या हाथ धोने के बाद तुरंत क्रीम लगाएं, ताकि आपकी त्वचा नमी को सोख सके। इससे आपके हाथों की नमी बनी रहेगी और वे खुरदरे नहीं होंगे। अच्छे परिणाम के लिए गाढ़ी और चिकनी क्रीम चुनें, जो लंबे समय तक आपकी त्वचा पर बनी रहे और उसे पोषण दे सके।

गर्म पानी से बचें

गर्म पानी से हाथ धोने या नहाने से बचें, क्योंकि यह आपकी त्वचा की नमी को छीन लेता है और उसे खुरदरा बना देता है। हमेशा हल्के गर्म पानी का उपयोग करें, ताकि आपकी त्वचा की नमी बनी रहे और हाथ मुलायम रहें। इसके अलावा हल्के गर्म पानी से हाथ धोने पर त्वचा को आराम भी मिलता है और खुरदरापन कम होता है। इस तरह आप अपने हाथों को स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं।

प्राकृतिक तेल का उपयोग करें

जैतून के तेल, नारियल के तेल या बादाम के तेल जैसे प्राकृतिक तेल आपके हाथों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सोने से पहले इन तेलों से हाथों की मालिश करें, ताकि आपकी त्वचा रात भर पोषण पा सके। यह न केवल आपकी त्वचा को पोषण दे सकते हैं, बल्कि उसे मुलायम भी बना सकते हैं। इसके अलावा ये तेल आपकी त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करते हैं, जिससे आपके हाथ लंबे समय तक सुंदर बने रहते हैं।

मृत कोशिकाओं को हटाएं

हफ्ते में एक बार मृत कोशिकाओं को हटाना जरूरी है, ताकि नई कोशिकाओं को बढ़ावा मिले। इसके लिए आप चीनी या नमक वाले मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं। इन घोल से अपने हाथों को घिसें और फिर ठंडे पानी से उन्हें धो लें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने हाथों की खुरदरी त्वचा को आसानी से मुलायम बना सकते हैं। इन सुझावों का नियमित पालन करने से आपके हाथ स्वस्थ और सुंदर बने रहेंगे।

स्वस्थ दांतों के लिए आजमाएं ये 5 आसान और प्रभावी तरीके



दांत हमारे चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ खाने को चबाने और पाचन में मदद करने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में दांतों का सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। इसके लिए रोजाना ब्रश करना, फ्लॉसिंग करना और समय-समय पर दांतों के डॉक्टर के पास जाना जरूरी है। इसके अलावा खाने-पीने की आदतों पर भी खास ध्यान देना चाहिए। आइए आज हम आपको दांतों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं।

दांतों को रोजाना दो बार साफ करें

दांतों को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना दो बार साफ करना जरूरी है। सुबह और रात को सोने से पहले दांतों को ब्रश करना चाहिए। इससे मुंह की सफाई होती है और कीटाणु पनपने का मौका नहीं मिलता। ब्रश करते समय हल्के हाथ से ब्रश को आगे-पीछे घुमाना चाहिए ताकि दांतों के हर कोने तक पेस्ट पहुंचे। इसके अलावा ब्रश करते समय मसूड़ों को भी हल्के हाथ से मसलना चाहिए ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके।

फ्लॉस से सफाई करें

फ्लॉस से सफाई दांतों के बीच की सफाई के लिए जरूरी है। ब्रश से हर जगह तक पहुंचना मुश्किल होता है, खासकर जब दांतों के बीच में खाना फंस जाता है तो फ्लॉस से उसे निकालना आसान होता है। इसके लिए फ्लॉस का इस्तेमाल करें और धीरे-धीरे दांतों के बीच में डालकर खींचें। इससे गंदगी और कीटाणु हटते हैं और दांतों की जड़ तक की सफाई होती है। नियमित फ्लॉस से सफाई से मसूड़ों का स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

मीठी चीजों का सेवन कम करें

मीठी चीजें जैसे चॉकलेट, केक, बिस्किट आदि खाने से दांतों में कीड़ा लगने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि इनमें मौजूद शक्कर कीटाणुओं को बढ़ावा देती है।

इसलिए इनका सेवन कम से कम करें या फिर इनका विकल्प किसी सेहतमंद स्नैक जैसे फल या मेवे आदि को चुनें। इसके अलावा मीठे पेय पदार्थों का सेवन भी कम करें और पानी या दूध पीने की आदत डालें ताकि आपके दांत स्वस्थ रहें।

धूम्रपान न करें

धूम्रपान न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि यह आपके दांतों के लिए भी बुरा है। धूम्रपान करने से दांत पीले हो जाते हैं और मसूड़ों की बीमारी का खतरा बढ़ता है। इसलिए धूम्रपान से दूर रहें और अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इसे धीरे-धीरे छोड़ने का प्रयास करें। इसके अलावा तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल भी न करें क्योंकि ये भी आपके दांतों को नुकसान पहुंचाते हैं।

समय-समय पर डॉक्टर से जांच करवाएं

समय-समय पर डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है ताकि किसी भी समस्या का पता समय रहते चल सके। डॉक्टर आपको सही सलाह दे सकते हैं और जरूरत पड़ने पर उचित उपचार भी बता सकते हैं। कोशिश करें कि हर 6 महीने में एक बार डॉक्टर से मिलें और अपनी समस्याओं पर चर्चा करें।

इन आसान तरीकों को अपनाकर आप अपने दांतों को स्वस्थ रख सकते हैं और उन्हें मजबूती प्रदान कर सकते हैं।

रोजाना सुबह एक गिलास नींबू पानी पीने से मिल सकते हैं ये 5 प्रमुख फायदे



नींबू में विटामिन-सी के साथ एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन क्रिया को बेहतर करने से लेकर वजन कम करने तक में लाभदायक है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि नींबू का पानी भी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है? आइए जानते हैं कि रोजाना सुबह एक गिलास नींबू पानी पीने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

पाचन क्रिया को कर सकता है बेहतर

नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन क्रिया को बेहतर करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू के पानी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को सुविधाजनक बनाकर पाचन क्रिया को सुचारू रखने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधे नींबू का रस निचोड़कर पिएं। इससे पाचन को बेहतर करने में मदद मिल सकती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकता है बढ़ावा

नींबू में भरपूर विटामिन-सी होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू में सूजन कम करने वाले और बैक्टीरिया को खत्म करने वाले गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक हैं। नींबू के पानी में विटामिन-सी की मात्रा बढ़ाने के लिए इसे बनाने के लिए ताजे और कसे हुए नींबू का उपयोग करें। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में सहायक हो सकता है।

वजन को नियंत्रित करने में है कारगर

नींबू के पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स के साथ वजन घटाने वाले गुण मौजूद होते हैं, जो शरीर में चर्बी के संचय को रोककर मोटापे को कम करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही नींबू का पानी शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और पाचन क्रिया को बेहतर कर सकता है, जो वजन नियंत्रित करने में सहायक है। इससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

लिवर को साफ करने में है मददगार

नींबू का पानी लिवर को साफ करने में मदद कर सकता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करके लिवर को साफ करने में सहायक है। नींबू के पानी में एक खास एसिड पाया जाता है, जो शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। यह लिवर को साफ करने में सहायक हो सकता है।

सांसों की बदबू कर सकता है दूर

नींबू के पानी में बैक्टीरिया को खत्म करने वाले गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया को खत्म करके सांसों की बदबू दूर करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा नींबू के पानी में मौजूद साइट्रिक एसिड लार के उत्पादन को बढ़ावा देकर दांतों पर प्लाक बनने से रोक सकता है। लाभ के लिए रोजाना सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में आधे नींबू का रस निचोड़कर पिएं।

संपादकीय.....

बड़ी देर कर दी मेहरबां आते-आते

2026 का बुकर पुरस्कार एम. जॉन हैरिसन को प्राप्त हुआ है। यह उन्हें उनकी 13वीं किताब 'दि एंड ऑफ एवेरीथिंग' केलिए मिला है। उनके पांच कहानी-संग्रह भी प्रकाशित हो चुके हैं। ये सूचना आज अखबार की सुर्खी है। इस बार के बुकर के साथ जो खबर प्रकाशित है, वह ध्यानाकर्षित करती है। असल में खबर दो कारण से चर्चा का विषय है। एक जॉन हैरिसन की उम्र 81 साल है, लिखा है, वे यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले सबसे बुजुर्ग व्यक्ति हैं। इसके पहले कैनेडा की मार्ग्रेट एटवुड को 79 साल की उम्र में 2019 में बुकर पुरस्कार मिला था। दूसरी बात, जो रेखांकित की जा रही है, वह है, बुकर समिति ने पहली बार साइंस फिक्शन के लेखक को यह पुरस्कार दिया है। मैं कई दशकों से नोबेल पुरस्कृत साहित्यकारों पर काम कर रही हूं, मुझे इसमें चौंकाने वाला कुछ न लगा। चौंकाने वाले काम नोबेल समिति कई बार बहुत पहले कर चुकी है। वो 80 और 80 पार के सात रचनाकारों को अब तक पुरस्कृत कर चुकी है। अगर उम्र का पैमाना 70 वर्ष माने तो अब तक 46 लेखकों को नोबेल समिति नोबेल के पदक से नवाज चुकी है। 2026 की नोबेल पुरस्कृत एन कारसन को 74 साल की उम्र में नोबेल मिला है, वे काफी समय से पार्किंसन बीमारी से जूझ रही हैं। रही बात नए जॉनर को पुरस्कृत करने की तो वह भी नोबेल समिति पहले कर चुकी है, कई बार। आज से दस साल पहले 2016 में बॉब डिलन को नोबेल मिला था। उनके संदर्भ में ये दोनों बातें हुई थीं, जो आज एम. जॉन हैरिसन के साथ हुई हैं। बॉब डिलन 75 साल के थे और उन्हें यह गीत लिखने के लिए दिया गया था। प्रशंसा में समिति ने कहा, 'महान अमेरिकी गीत परम्परा में नई काव्यात्मक अभिव्यक्तियों को संभव करने के लिए दिया जाता है।' कुछ लोग उन्हें गीतकार न मानते हुए कवि सिद्ध करने पर आमदा हो गए। बहुत पहले विंस्टन चर्चिल को 1953 में उनके भाषणों केलिए नोबेल मिला था। उनकी उम्र उस समय 78 साल थी, उन्हें यह 'ऐतिहासिक और जीवनी संबंधी वर्णन में उनकी निपुणता के साथ-साथ उदात्त मानवीय मूल्यों की रक्षा करने में उनकी प्रभावशाली भाषण कला के लिए' दिया गया। सो भाषण कला को समिति ने साहित्य की श्रेणी में घसीट लिया। इसके कुछ साल 1950 में गणितज्ञ, राजनेता बर्ट्रेंड आर्थर विलियम रसेल को 'उनके विविध और महत्वपूर्ण लेखन के सम्मान में, जिसमें वे मानवीय आदर्शों और विचार की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।' केलिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया। उस समय उनकी उम्र 78 साल थी। क्यों नहीं गणित एवं भाषण साहित्य का दर्जा पा सकते हैं, जब लिखित आलोचना न कर मौखिक आलोचना कर आलोचक बना जा सकता है, तो भाषण देकर साहित्यकार क्यों नहीं कहलाया जा सकता है? 67 साल की पत्रकार स्वेतलाना एलेक्सीविच को मौखिक इतिहास के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2015 में दिया गया है। सारी दुनिया बदल रही है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है, जो समय के साथ बदलता नहीं है, वह पिछड़ जाता है। मुझे लगता है, एम. जॉन हैरिसन को बुकर पुरस्कार बहुत पहले मिल जाना चाहिए था, क्योंकि वे एक प्रसिद्ध साइंस फिक्शन लेखक रहे हैं, उनकी 13 किताबें प्रकाशित हैं। उन्हें सर्वाधिक प्रभावशाली साइंस फिक्शन लेखक के रूप में सम्मान प्राप्त है। स्वयं बुकर प्राइज के चेयरपर्सन गैबी वुड ने कहा है, 'वे वास्तव में मौलिक चिंतक हैं, लेखक जिसने अपने जॉनर को स्वरूप दिया है और जो विचारों को गंभीरता से लेता है।' हैरिसन का मात्र 130 पन्नों का उपन्यास 'दि एंड ऑफ एवेरीथिंग' निकट भविष्य की एक विनाशोत्तर दुनिया में घटित व्यंग्यात्मक डिस्टोपियन रचना है। जहां एक अस्पष्ट कारण से आपदा आती है और उसके कारण पूरी सामाजिक व्यवस्था चरमरा जाती है, साथ ही रहस्यमय, रूप बदलने वाले बाहरी जीवों का आगमन होता है। लेकिन सकारात्मक बात है, किसी तरह मानवता बची हुई है। इसे पढ़ते हुए तमाम और डिस्टोपियन रचनाएं याद हो आती हैं। पिछले साल के नोबेल पुरस्कृत लैस्लो क्रासनाहोरकाई हताशा एवं सर्वनाश, सिस्टम के भहराने को चित्रित करने में माहिर हैं, मगर उनके यहां कोई बाहरी जीव यह आपदा नहीं लाता है। होसे सारामागो का 'ब्लाइंडनेस' सिस्टम के भहराने से प्रारंभ होता है, वहां भी आपदा का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन एक विचित्र बीमारी है। डोरिस लेसिंग ने साइंस फिक्शन लिखा है, मगर उनकी डिस्टोपियन रचना 'द मेमोयर्स ऑफ ए सर्वाइवर' में सिस्टम चरमराने का कारण मानवीय है, किसी अन्य ग्रह से आया कोई जीव नहीं है। हैरिसन को 81 में बुकर मिला है। नोबेल समिति ने 82 साल की एनी अर्नो (2022) तथा एलिस मुनरो (2013) को नोबेल दिया। 1984 में जैरोस्लाव सेफेर्त को 83 साल की उम्र मे यह मिला। 1902 में थेओडोर मोम्सेन को तो 84 साल के होने पर यह दिया गया था। और सबसे उम्र दराज नोबेल पाने वाली रचनाकार तो डोरिस लेसिंग रही हैं। उन्हें जब 2007 में यह मिला वे 87 साल की हो चुकी थीं। छ- साल बाद 2013 में वे गुजर गईं। फिलिप रॉथ 85 साल तक इंतजार करते रहे, मगर नोबेल समिति को उनकी सुध न आई। 77 साल के हारुकी मुराकामी केलिए उनके पाठकों को अभी भी उम्मीद है, शायद उनके गुजरने से पहले नोबेल समिति उन पर कृपा करे। 63 साल के कोट्जी को जब यह मिला, वे प्रीति भोज के अवसर पर कहते हैं, भला मांओं केलिए नहीं, तो हम किसके लिए यह करते हैं, जो हमें नोबेल तक पहुंचाता है? पर अगर उनकी मां अब तक जीवित होती भी तो वे साढ़े 99 साल की होतीं। शायद वृद्धावस्था की स्मृतिभ्रम में होतीं। उनके आस-पास क्या चल रहा है, उन्हें कुछ पता न होता। मां की परेशानियों की भरपाई करने के लिए हमारे पुरस्कार लेकर दौड़ते हुए घर आने से पहले क्यों हमारी मांएं निन्यानवे की हों, बहुत पहले कब्र में जा चुकी हों? बड़ी देर कर देते हैं, समिति वाले। क्या करें, एक अनार सौ बीमार की स्थिति होती है, उनके सामने। हैरिसन ने अपना कैरियर न्यू वर्ल्ड पत्रिका से प्रारंभ किया। उनकी 'द कोर्स ऑफ द हार्ट', 'नोवा स्विंग' और लाइट प्रसिद्ध हैं। माइकेल जॉन हैरिसन को बुकर पुरस्कार की बधाई!

PDA का सियासी इम्तिहान, क्या 2027 में बनेगा सत्ता का नया समीकरण?

सत्येंद्र प्रताप सिंह



2024 और 2026 दोनों वर्षों में भाजपा को उत्तर प्रदेश में ऐसे चुनावी झटके लगे हैं, जिन्हें 2027 की तैयारी के संदर्भ में एक साथ देखना जरूरी है कि दोनों वर्षों के परिणाम क्या संकेत देते हैं? हालांकि दोनों चुनावों की प्रकृति अलग है। भाजपा के सामाजिक समीकरण और राजनीति को पहला झटका 2024 के लोकसभा चुनाव में लगा। 2019 में 62 सीटें जीतने वाली भाजपा 2024 में 33 सीटों पर सिमट गई। समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतकर प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी का स्थान हासिल किया। कांग्रेस को छह सीटें मिलीं, जबकि बसपा का खाता भी नहीं खुला। वोट प्रतिशत की तस्वीर भी महत्वपूर्ण थी। भाजपा को 41.36 प्रतिशत वोट मिले, जबकि सपा का वोट शेयर 33.60 प्रतिशत रहा। 2019 के मुकाबले भाजपा के वोट प्रतिशत में गिरावट आई और सपा ने अपना समर्थन बढ़ाया। बसपा का वोट शेयर भी घटकर 9.39 प्रतिशत रह गया। इस परिणाम ने दिखाया कि भाजपा का मजबूत सामाजिक गठबंधन चुनौती से परे नहीं है। सपा ने यादव-मुस्लिम आधार से आगे बढ़कर दूसरे पिछड़े और दलित समुदायों तक अपनी पहुंच बनाई। पीडीए का राजनीतिक संदेश इसी पृष्ठभूमि में प्रभावी हुआ। हालांकि भाजपा का वोट प्रतिशत सपा से अधिक रहा। इसलिए 2024 को भाजपा के सामाजिक आधार के पूरी तरह टूटने के रूप में देखना सही नहीं होगा। लेकिन यह जरूर स्पष्ट हुआ कि विपक्षी एकजुटता और सामाजिक समीकरणों में बदलाव भाजपा की सीटों को प्रभावित कर सकते हैं।

2026: विधान परिषद में विपक्ष का विस्तार

2026 के विधान परिषद चुनाव ने इस बहस को नया संदर्भ दिया। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीटों में भाजपा ने छह और सपा ने पांच सीटें जीतीं। पिछले चुनाव के मुकाबले सपा ने अपनी सीटों की संख्या बढ़ाई और निर्दलीय उम्मीदवारों की जगह इस बार मुकाबला मुख्यतः भाजपा और सपा के बीच सिमट गया। कुल परिणाम भाजपा के पक्ष में छह-पांच का रहा, लेकिन सपा की पांच सीटों की जीत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खासकर तब, जब विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले दोनों दलों के बीच यह सीधा मुकाबला हुआ है। इन परिणामों ने यह सवाल जरूर उठाया है कि क्या 2024 में विपक्ष के पक्ष में दिखाई दिया राजनीतिक बदलाव 2026 में भी कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में कायम है?

वाराणसी में हार- क्या है संदेश?

विधान परिषद चुनाव का सबसे चर्चित परिणाम वाराणसी से आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में सपा ने शिक्षक और स्नातक, दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की। स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा को 55,046 और भाजपा के केदारनाथ सिंह को 35,114 वोट मिले। जीत का अंतर 19,932 मत रहा। शिक्षक सीट पर लाल बिहारी यादव ने 11,612 वोट हासिल किए, जबकि भाजपा के डॉ. प्रमोद कुमार मिश्र को 6,597 वोट मिले। यहां जीत का अंतर 5,015 मत था। वाराणसी में दोनों सीटों पर सपा की जीत को केवल स्थानीय परिणाम मानकर छोड़ना आसान नहीं है। यह भाजपा के लिए राजनीतिक और प्रतीकात्मक, दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां हार ने स्थानीय संगठन, उम्मीदवारों के चयन और शिक्षक-स्नातक मतदाताओं के बीच पार्टी की स्वीकार्यता पर सवाल खड़े किए हैं। इन निर्वाचन क्षेत्रों में रोजगार, भर्ती, शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की समस्याएं जैसे मुद्दे प्रभाव डालते हैं। इसलिए इस परिणाम को शिक्षित वर्ग के एक हिस्से में असंतोष के संकेत के रूप में भी देखा जा सकता है। लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता आम विधानसभा मतदाताओं से अलग हैं। वाराणसी की जीत को पूरे प्रदेश में भाजपा के खिलाफ जनमत का प्रमाण नहीं कहा जा सकता। फिर भी 2027 से पहले सपा के लिए यह राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उत्साह का विषय जरूर है।

2024-2026- क्या है सियासी कड़ी?

दोनों चुनावों की प्रकृति अलग है। लोकसभा चुनाव में व्यापक मतदाता हिस्सा लेता है, जबकि विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक चुनाव सीमित मतदाता वर्ग के बीच होते हैं। इसलिए दोनों के परिणामों की सीधी तुलना नहीं की जा सकती।फिर भी एक साझा सवाल उभरता है- क्या भाजपा के खिलाफ अलग-अलग सामाजिक और पेशागत समूहों में असंतोष विपक्ष को अवसर दे रहा है? 2024 में सपा ने सामाजिक गठबंधन के सहारे लोकसभा में बड़ी सफलता हासिल की। 2026 में विधान परिषद की पांच सीटों पर जीत ने दिखाया कि पार्टी कुछ विशिष्ट मतदाता वर्गों में भी अपनी पकड़ बना रही है। भाजपा के लिए चुनौती इन संकेतों को समझने और अपने संगठन तथा सामाजिक गठबंधन को मजबूत बनाए रखने की है। विपक्ष के लिए चुनौती इन अलग-अलग सफलताओं को एक व्यापक राजनीतिक विकल्प में बदलने की है।

पीडीए- पिछड़े-दलित-अल्पसंख्यक होंगे साथ?

अखिलेश यादव के पीडीए फार्मूले की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या यादवों और मुस्लिम मतदाताओं से आगे गैर-यादव पिछड़ों तथा गैर-जाटव दलितों का भरोसा भी सपा के साथ बना रहता है। कुर्मी, मौर्य, शाक्य, सैनी, लोध, निषाद, राजभर और कश्यप जैसे समुदायों का अपना राजनीतिक प्रभाव है। इनमें से कई भाजपा के सामाजिक गठबंधन का हिस्सा रहे हैं। 2024 में कुछ वर्गों के मतदान व्यवहार में बदलाव के संकेत मिले, लेकिन इसे स्थायी बदलाव मानना जल्दबाजी होगी। दलित राजनीति में बसपा की कमजोरी ने सपा के सामने अवसर जरूर खोला है। लेकिन जाटव मतदाताओं के बीच मायावती की पहचान और गैर-जाटव दलितों की अलग राजनीतिक आकांक्षाओं को समझना जरूरी है। चंद्रशेखर आजाद भी दलित राजनीति में अपनी स्वतंत्र जगह बना रहे हैं। 2027 में उनका सपा के साथ आना या अलग चुनाव लड़ना विपक्ष के सामाजिक गणित को प्रभावित कर सकता है। अखिलेश यादव को केवल जातीय नारों से आगे बढ़कर संगठन, टिकट वितरण और राजनीतिक नेतृत्व में इन समुदायों को वास्तविक हिस्सेदारी देनी होगी। पीडीए तभी टिकाऊ गठबंधन बनेगा, जब हर वर्ग को उसमें अपना प्रतिनिधित्व दिखाई देगा।

मुस्लिम मतदाता और कांग्रेस- कितनी मजबूती?

मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा हिस्सा 2024 में भाजपा के विरोध में विपक्षी गठबंधन के साथ गया। 2027 में सपा के लिए इस समर्थन को बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। लेकिन सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के सवाल भी उतने ही अहम हैं। असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम की सक्रियता सपा के सामने एक अतिरिक्त चुनौती खड़ी कर सकती है। वहीं कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर सीटों और नेतृत्व पर सहमति बनाना भी आसान नहीं होगा। 2024 में सपा-कांग्रेस तालमेल सफल रहा था। लेकिन विधानसभा चुनाव में स्थानीय दावेदारों और सीटों का बंटवारा अधिक जटिल हो सकता है। यदि विपक्षी दल आपसी प्रतिस्पर्धा में उलझे, तो 2024 में बना चुनावी तालमेल कमजोर पड़ सकता है। दूसरी ओर भाजपा के साथ राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (एस), निषाद पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे सहयोगी दल हैं।

'खुशियों की ईद': खरगे के बयान से कितना लाभ, कितना नुकसान?

सत्येंद्र प्रताप सिंह



दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह देशभर में मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है और इसे %खुशियों की ईद% कहा जा सकता है। उन्होंने त्योहार के बहाने देश में शांति बनाए रखने, आपसी मतभेद भुलाने और राष्ट्रीय एकता मजबूत करने की अपील भी की। खरगे के बयान का मूल भाव खुशियों और उत्सव की साझी संस्कृति बताना था। लेकिन क्या राजनीतिक मंच से दिए गए ऐसे संदेश के लिए शब्दों का चुनाव भी उतना ही महत्वपूर्ण नहीं है? क्या वह अपनी बात बिना किसी दूसरे धर्म के त्योहार का संदर्भ दिए भी कह सकते थे?

भाजपा को मिला मुद्दा?

भाजपा ने खरगे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के नेताओं ने सवाल उठाया कि दीपावली की अपनी धार्मिक पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक महत्व है। उसे ईद से जोड़ने की क्या जरूरत थी? भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पूछा कि क्या खरगे और राहुल गांधी ईद को 'खुशियों की दिवाली' कहने का साहस दिखाएंगे? भाजपा ने इसे कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति और हिंदू भावनाओं की अनदेखी से जोड़ने की कोशिश की। यहां भाजपा की आपत्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं रही। उसने कांग्रेस के पुराने धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर दिए गए बयानों को भी इस विवाद से जोड़ दिया।

कांग्रेस की सफाई क्या है?

कांग्रेस ने भाजपा के आरोपों को राजनीतिक विवाद पैदा करने की कोशिश बताया। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि ईद का अर्थ त्योहार है और खरगे ने इसी व्यापक अर्थ में इस शब्द का इस्तेमाल किया है। उनका तर्क था कि बयान को उसके पूरे संदर्भ में समझना चाहिए। खरगे ने किसी धर्म या त्योहार का अपमान नहीं किया, बल्कि खुशियों और आपसी सद्भाव की बात कही।लेकिन सवाल यह है कि क्या कांग्रेस की यह सफाई आम लोगों तक उसी तरह पहुंचेगी, जिस तरह भाजपा का आरोप पहुंच रहा है?

मुस्लिम नेताओं की राय बंटी?

इस विवाद का एक दिलचस्प पहलू मुस्लिम नेताओं की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वोट बैंक की राजनीति के लिए वे दीपावली के दिन ही लोगों को %ईद मुबारक% कह देते। उन्होंने कांग्रेस पर धार्मिक त्योहारों को लेकर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। इसके विपरीत कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने खरगे के बयान का बचाव किया। उनका कहना था कि खुशी व्यक्त करने के लिए ईद का इस्तेमाल एक रूपक के तौर पर भी होता है। आम बोलचाल में किसी के लंबे समय बाद दिखाई देने पर 'ईद का चांद हो गए' कहा जाता है। उनके मुताबिक ईद खुशी का पर्याय है। लेकिन एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान की प्रतिक्रिया कांग्रेस के लिए असहज करने वाली रही।

उन्होंने भी खरगे के बयान को राजनीतिक दिखावा और किसी खास वोट बैंक को खुश करने की कोशिश बताया। उनका कहना था कि दीपावली और ईद दोनों की अपनी अलग पहचान है और दोनों त्योहारों का सम्मान होना चाहिए। यहां एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है कि जब मुस्लिम समुदाय के नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी एक जैसी नहीं हैं, तब क्या इस पूरे विवाद को केवल हिंदू बनाम मुस्लिम के नजरिये से देखना उचित होगा?

त्योहार या सियासत?

भारत में दीपावली, ईद, क्रिसमस, गुरुपर्व और दूसरे त्योहार सामाजिक मेलजोल के अवसर भी बनते रहे हैं। एक-दूसरे के त्योहारों की शुभकामनाएं देना भारतीय समाज की साझी संस्कृति का हिस्सा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए ऐसे अवसर भी राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बनते जा रहे हैं। खरगे का बयान सद्भाव की भावना से दिया गया था या उसमें राजनीतिक संदेश भी निहित था, यह बहस का विषय हो सकता है।

उसी तरह भाजपा की आपत्ति सांस्कृतिक पहचान के सम्मान से जुड़ी है या राजनीतिक विरोध का हिस्सा है, इस पर भी सवाल उठेंगे। असली सवाल यह है कि क्या त्योहारों की खुशियों को साझा करने के लिए एक-दूसरे के त्योहारों का उदाहरण देना जरूरी है? और क्या राजनीतिक दल हर ऐसे संदेश को वोट बैंक के चश्मे से देखेंगे? खुशियों की ईद कहने से शुरू हुआ यह विवाद आखिरकार कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष राजनीति, भाजपा की सांस्कृतिक राजनीति और विपक्षी खेमे के भीतर अलग-अलग विचारों की परीक्षा बन गया है। इसका राजनीतिक लाभ या नुकसान केवल बयान से नहीं, बल्कि जनता इसे किस संदर्भ में ग्रहण करती है, उससे तय होगा।

कांग्रेस को लाभ या नुकसान?

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने धर्मनिरपेक्षता और सर्वधर्म सद्भाव के संदेश को किस तरह प्रस्तुत करती है। खरगे के बयान को पार्टी एक ऐसे प्रयास के रूप में पेश कर सकती है, जिसमें अलग-अलग धर्मों के त्योहारों को साझा खुशियों से जोड़ने की कोशिश की गई। लेकिन भाजपा इसे कांग्रेस की कथित तुष्टीकरण की राजनीति के उदाहरण के रूप में प्रचारित कर रही है। ऐसे में कांग्रेस के लिए यह विवाद केवल एक बयान का बचाव करने तक सीमित नहीं रहेगा।

उसे यह भी बताना होगा कि उसकी धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का समान सम्मान कैसे करती है। दूसरी तरफ भाजपा को भी यह स्पष्ट करना होगा कि क्या किसी दूसरे धर्म के त्योहार का सकारात्मक संदर्भ देना अपने आप में उस त्योहार की पहचान या परंपरा का अपमान है?

इतिहास की तारीखें गलत, कितनी है तथ्यात्मक विश्वसनीयता?

सत्येंद्र प्रताप सिंह



आत्मकथा में तारीखों की चूक क्यों? आत्मकथा किसी व्यक्ति के जीवन का निजी दस्तावेज होती है। इसमें स्मृतियां, अनुभव, रिश्ते और घटनाओं की व्यक्तिगत व्याख्या शामिल होती है। लेकिन जब लेखक देश की राजनीति में लंबे समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका हो और पुस्तक में राष्ट्रीय इतिहास की घटनाओं का उल्लेख हो, तो तथ्यों की शुद्धता भी उतनी ही जरूरी हो जाती है। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'क्लृद्यश्ठुद्दद्बठ्ठद्द- ८ छ्शह्लद्दठ्ठद्द4 श्रद्ध रूप1द्द' के सामने आने के बाद यही सवाल उठ रहा है। पुस्तक में उनके निजी जीवन से लेकर कांग्रेस की राजनीति, नेहरू-गांधी परिवार और देश के राजनीतिक घटनाक्रमों का उल्लेख है। लेकिन अलग-अलग अध्यायों में कुछ ऐसी गलतियां सामने आई हैं, जिन्हें सामान्य स्मृति संबंधी चूक कहकर नजरअंदाज करना आसान नहीं है।

अहमद पटेल के निधन का वर्ष गलत

सबसे चौंकाने वाली गलती सोनिया गांधी के बेहद करीबी राजनीतिक सहयोगी अहमद पटेल के निधन को लेकर है।पुस्तक के अध्याय 29 के पृष्ठ 401 पर उनके निधन का वर्ष 2022 लिखा गया है। जबकि अहमद पटेल का निधन 25 नवंबर 2020 को हुआ था। कोरोना संक्रमण के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी और कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण उनका निधन हुआ। अहमद पटेल लंबे समय तक सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव रहे। कांग्रेस के संगठनात्मक फैसलों और राजनीतिक रणनीति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। ऐसे व्यक्ति के निधन का वर्ष दो साल आगे दर्ज होना सवाल खड़े करता है।

अन्ना आंदोलन का साल भी गलत

दूसरी बड़ी विसंगति अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर है। पुस्तक के अध्याय 33 के पृष्ठ 461 पर अन्ना हजारे और इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन के राष्ट्रीय स्तर पर उभरने का वर्ष 2012 बताया गया है। जबकि इस आंदोलन का निर्णायक राष्ट्रीय दौर 2011 में शुरू हुआ था। 5 अप्रैल 2011 को अन्ना हजारे ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर जन लोकपाल की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। अगस्त 2011 में रामलीला मैदान का आंदोलन भी देशव्यापी चर्चा का केंद्र बना। यह आंदोलन तत्कालीन यूपीए सरकार के लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती बना था। ऐसे घटनाक्रम का वर्ष गलत दर्ज होना सामान्य पाठक के लिए भी सवाल पैदा करता है।

आरएसएस की स्थापना में चार साल की चूक

तीसरी गलती राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना को लेकर है। पुस्तक के अध्याय 24 के पृष्ठ 338 पर आरएसएस की स्थापना 1921 में बताई गई है। जबकि संगठन की स्थापना 27 सितंबर 1925 को नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। यह अंतर चार वर्षों का है। खास बात यह है कि पुस्तक में आरएसएस की विचारधारा और भारतीय राजनीति में उसकी भूमिका पर भी चर्चा की गई है। ऐसे में जिस संगठन का उल्लेख किया जा रहा है, उसकी स्थापना का वर्ष ही गलत होना संपादन और तथ्य-जांच की प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता है।

गुजरात की राजधानी भी अहमदाबाद!

एक और चूक 2002 के गुजरात दंगों के संदर्भ में सामने आई है। पुस्तक में अहमदाबाद को गुजरात की राजधानी बताया गया है, जबकि राज्य की राजधानी गांधीनगर है। गांधीनगर 1970 से गुजरात की राजधानी है। सोनिया गांधी ने उस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहत शिविरों में जाकर दंगा पीड़ितों से मिलने का उल्लेख किया है। इस प्रसंग में अहमदाबाद का उल्लेख स्वाभाविक है, लेकिन उसे राज्य की राजधानी बताना तथ्यात्मक गलती है। यह गलती इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह किसी जटिल राजनीतिक घटनाक्रम या व्यक्तिगत स्मृति से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि सामान्य प्रशासनिक और भौगोलिक तथ्य है।

1977 और 1978 का संदर्भ भी जांच के दायरे में

पुस्तक में 1978 के चुनावी नतीजों को लेकर भी चर्चा सामने आई है। यहां सावधानी जरूरी है। 1977 में लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी और कांग्रेस की बड़ी पराजय हुई थी। 1978 में भी विभिन्न राज्यों में चुनावी घटनाक्रम हुए थे। इसलिए पुस्तक के संबंधित प्रसंग और चुनाव का संदर्भ देखे बिना इसे निश्चित रूप से एक और तारीख की गलती घोषित करना उचित नहीं होगा। यही अंतर तथ्य-जांच और राजनीतिक आलोचना के बीच होना चाहिए।

संपादन और प्रकाशक की जिम्मेदारी क्या?

इन विसंगतियों के बाद सबसे बड़ा सवाल पुस्तक की संपादन प्रक्रिया पर है। क्या पांडुलिपि तैयार करते समय ऐतिहासिक तथ्यों का स्वतंत्र सत्यापन किया गया था? क्या प्रकाशक ने तथ्य-जांच की जिम्मेदारी निभाई? क्या पुस्तक के अन्य अध्यायों में भी ऐसी गलतियां हैं? सोनिया गांधी की आत्मकथा केवल निजी जीवन की कहानी नहीं है। यह देश की राजनीति के एक लंबे दौर को देखने और समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है। इसलिए इसमें दर्ज तथ्यों की विश्वसनीयता का महत्व बढ़ जाता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि आत्मकथा में किसी घटना का व्यक्तिगत वर्णन और उस घटना से जुड़ा ऐतिहासिक तथ्य दो अलग बातें हैं। लेखक अपने अनुभवों और निष्कर्षों के लिए स्वतंत्र है, लेकिन किसी व्यक्ति के निधन का वर्ष, संगठन की स्थापना या किसी आंदोलन की शुरुआत जैसी जानकारी की पुष्टि आसानी से की जा सकती है।

क्या गलतियां यहीं तक सीमित हैं?

फिलहाल सामने आई विसंगतियों के आधार पर पूरी पुस्तक को गलत तथ्यों का संग्रह कहना उचित नहीं होगा। लेकिन चार अलग-अलग संदर्भों में सामने आई चूकें निश्चित रूप से गंभीर तथ्य-जांच की मांग करती हैं।

श्वेता तिवारी ने रेड ड्रेस में बिखेरा जलवा, स्माइल से लूट लिया करार



श्वेता तिवारी सिर्फ एक एक्टिव और टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं. उनके फैशन सेंस में सिंपल और एलिगेंट का परफेक्ट मिक्स नजर आता है जो हर मौके पर उनके लुक को परफेक्ट बनाता है. चाहे रैड कार्पेट हो या कैजुअल आउटिंग, श्वेता हमेशा अपनी स्टाइल और ग्रेस से लोगों को इंप्रेस करती हैं. उनके इस इंस्टाग्राम पोस्ट में भी ये साफ दिखाई देता है कि वो फैशन और परफॉर्मेंस दोनों में बराबर एक्सील करती हैं. श्वेता तिवारी हमेशा से ही अपने स्टाइल और परफॉर्मेंस के लिए फैंस के बीच काफी पॉपुलर रही हैं. इस इंस्टाग्राम पोस्ट में उनका लुक देखते ही बनता है. श्वेता रेड कलर की लेयर्ड ड्रेस में नजर आ रही हैं जो उनके स्टाइल और ग्रेस को और निखार रही है. ड्रेस की फ्लोइंग लेयर्स उनके मूवमेंट के साथ खूबसूरती से झूल रही हैं और उनका सिंपल लेकिन एलिगेंट स्टाइल उन्हें मॉडर्न और क्लासिक दोनों तरह का लुक दे रहा है. उन्होंने अपने लुक को गोल्डन ईयररिंग्स और पेस्टल हील्स के साथ कंप्लीट किया है जो उनकी पर्सनालिटी को और हाईलाइट कर रहे हैं. उनके बाल खुले और सॉफ्ट वेव्स में सेट हैं, जो उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखारते हैं. उनके नेचुरल पोज ने तस्वीर को और भी खास बना दिया है. वर्क फ्रंट की बात करें तो श्वेता तिवारी ने टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत बेहद कम उम्र में की थी और धीरे-धीरे खुद को टॉप टीवी एक्ट्रेस बन गई थी. उन्हें सबसे ज्यादा पहचान कसौटी जिंदगी की की प्रेरणा के रूप में मिली, जहां उन्होंने प्रीति का रोल निभाया। इसके अलावा श्वेता ने कई रियलिटी शो जैसे कि खतरों के खिलाड़ी और झलक दिखला जा में नजर आई थी. टीवी सीरियल्स के अलावा, उन्होंने वेब शोज और प्रिंट कमर्शियल्स में भी अपने एक्टिंग स्किल्स को दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ा है. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा ही नेचुरल और दिल को छू लेने वाली रही है जिससे फैंस उनके हर प्रोजेक्ट में जुड़े रहते हैं.

हील वाले फ्लिप-फ्लॉप्स कर रहे हैं ट्रेंड, इनके साथ आप पहन सकती हैं ये 5 आउटफिट



हील फ्लिप-फ्लॉप्स एक आरामदायक और स्टाइलिश फुटवियर विकल्प है। ये न केवल रोजमर्रा की जिंदगी में, बल्कि खास मौकों पर भी आपके लुक को खास बना सकते हैं। सही कपड़ों के साथ इन्हें पहनने से आप हर मौके पर आकर्षक दिख सकती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको बताएंगे कि किन कपड़ों के साथ हील फ्लिप-फ्लॉप्स पहनने से आपका लुक और भी बेहतरीन लगेगा।

जींस और टॉप

जींस और टॉप का मेल हमेशा से ही फैशनेबल रहा है। अगर आप हील फ्लिप-फ्लॉप्स पहन रही हैं तो डेनिम जींस के साथ एक साधारण या प्रिंटेड टॉप चुनें। यह मेल न केवल आपको आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएगा। आप चाहें तो जैकेट या श्रग भी जोड़ सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इस तरह का पहनावा ऑफिस, कॉलेज या दोस्तों के साथ घूमने के लिए बेहतरीन है।

मैक्सी ड्रेस

मैक्सी ड्रेस के साथ हील फ्लिप-फ्लॉप्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह मेल आपको लंबा और पतला दिखाएगा, साथ ही आरामदायक भी रहेगा। मैक्सी ड्रेस में लंबी डिजाइन चुनें, जो आपके शरीर को खूबसूरती से दिखाएगी। इसके साथ हल्के गहने और एक छोटा-सा बैग जोड़ें, ताकि आपका लुक पूरा हो सके। यह पहनावा किसी भी खास मौके पर आपको आकर्षक और स्टाइलिश दिखाएगा। इन दिनों स्लिप मैक्सी ड्रेस काफी लोकप्रिय हैं।

शॉर्ट ड्रेस

शॉर्ट ड्रेस हमेशा से ही युवा और ताजगी भरा एहसास देती आई हैं। अगर आप किसी पार्टी या खास मौके पर जा रही हैं तो शॉर्ट ड्रेस के साथ हील फ्लिप-फ्लॉप्स पहन सकती हैं। यह मेल न केवल आपको आकर्षक दिखाएगा, बल्कि आरामदायक भी रहेगा। इसके साथ हल्के गहने और एक छोटा-सा बैग जोड़ें, ताकि आपका लुक पूरा हो सके। आप अपनी पसंद की डिजाइन वाली शॉर्ट ड्रेस पहन सकती हैं।

स्कर्ट और ब्लाउज

पार्टी या खास मौकों पर स्कर्ट और ब्लाउज का मेल बहुत अच्छा लगता है। रेशम या साटन की स्कर्ट के साथ एक फिटेड ब्लाउज चुनें, जो आपके शरीर को खूबसूरती से दिखाएगा।

आईने के सामने खुद को देख रो पड़ती थीं अविका गौर, 13 किलो वजन घटाकर किया असली ट्रांसफॉर्मेशन



अभिनेत्री अविका गौर ने टीवी स्क्रीन पर मासूम आनंदी बनकर घर-घर में पहचान बनाई, लेकिन एक समय उन्हें अपनी जिंदगी में खुद से लड़ाई लडनी पड़ी थी। वह आईने में खुद को देखकर रो पड़ती थीं। मुंबई में जन्मीं अविका गौर ने बहुत छोटी उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया। 2007 में उन्होंने शश्शश्कोई है से छोटे रोल के जरिए टीवी डेब्यू किया, लेकिन असली पहचान उन्हें 2008 में आए शो बालिका वधू से मिली। इस शो में उन्होंने छोटी आनंदी का किरदार निभाया, जो एक बाल विवाह की कहानी पर आधारित था। उनके मासूम अभिनय ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और वह बहुत जल्दी घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद अविका ने ससुराल सिमर का में रोली का किरदार निभाया, जिसमें उन्होंने एक शादीशुदा लड़की की भूमिका निभाई। यह रोल उन्होंने सिर्फ 14 साल की उम्र में किया था। इस शो ने भी उन्हें काफी लोकप्रियता दिलाई। इसमें उनकी और अभिनेता मनीष रायसिंघन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

टेलीविजन की सफलता के बाद अविका ने फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने 2009 में मॉर्निंग वॉक और पाठशाला जैसी फिल्मों में काम किया। इसके बाद 2013 में तेलुगु फिल्म उय्याला जम्पला से उन्होंने लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया, जिसके लिए उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू मिला। यह उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। एक समय ऐसा भी आया जब अविका अपने शरीर और आत्मविश्वास को लेकर संघर्ष कर रही थीं। उन्होंने खुद बताया था कि एक समय वह आईने में खुद को देखकर टूट गई थीं और रो पड़ी थीं। उन्हें अपना बढ़ा हुआ वजन और बदलता लुक स्वीकार करना मुश्किल लग रहा था। इस मानसिक संघर्ष ने उनकी सोच को बदल दिया।

इसके बाद उन्होंने अपनी जिंदगी को बदलने का फैसला किया। उन्होंने हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाया, नियमित वर्कआउट शुरू किया और अपनी डाइट पर ध्यान देना शुरू किया।

इस बदलाव के जरिए उन्होंने करीब 13 किलो वजन कम किया और खोया हुआ आत्मविश्वास वापस पाया।

ऑटिज्म बीमारी नहीं, समझ और अपनापन चाहिए, ईशा सिंह ने समाज की सोच पर उठाए सवाल



टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो जूही मुई को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की जूही की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। ईशा सिंह ने कहा, आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें। ईशा सिंह ने कहा, ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था। ईशा ने कहा, इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।

टीएन न्यूज 24 द्वारा जनहित में डिजिटल ई-पेपर, कार्यालय का पता- परशुराम मार्केट, जलेसर रोड, खंदौली,एत्मादपुर,आगरा- 283126
फोन नं. 0562-2971280 निदेशक- प्रेम चौहान (दामोदर सिंह) मोबा : 8899599945 www.tnnews24.in Regd.No. UP-O1-0122316